RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 05 ता. 28 जून 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में आज से खुलेंगे होटल और जिम... एमपी में हटा कोरोना कर्फ्यू

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर भारत में धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है। कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। हालांकि रोजाना होनी वाली मौतों की संख्या चिंताजनक बनी हुई है। इन सब के बीच राज्यों सरकारों ने कोरोना के कारण लागू प्रतिबंधों में ढ़ील देनी शुरू कर दी ही। दिल्ली में सोमवार से होटल, बैंक्वेट हाल आदि को खोलने और शादी समारोह आयोजित करने की छूट दे दी है। राजस्थान सरकार ने लॉकडाउन में और ढील देने का फैसला किया है, जबकि मध्यप्रदेश सरकार ने रविवार को कोरोना कर्फ्यू हटाने का फैसला लिया है।

दिल्ली में कल से खुलेंगे होटल और जिम-दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सोमवार से होटल, बैंक्वेट हाल आदि को खोलने व शादी समारोह आयोजित करने की छूट दे दी है। जिम व योग संस्थान को पचास फीसद क्षमता के साथ शुरू करने की इजाजत दी गई है। डीडीएमए की तरफ से शनिवार को जारी यह आदेश 28 जून सुबह पांच बजे से पांच जुलाई सुबह पांच बजे तक लागू रहेगा। बीते सप्ताह डीडीएमए ने पब्लिक पार्कों, उद्यानों और गोल्फ क्लब को 21 जून से खोलेने की अनुमति दी थी, साथ ही रेस्टोरेंट आदि को भी 50 फीसद बैठने की क्षमता के साथ सुबह आठ बजे से रात 10 बजे खुलने की छूट दी गई थी। मौजूदा आदेश के मुताबिक पिछले दो सप्ताह दी गई सभी छूट जारी रहेंगी। राजस्थान सरकार ने कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में आई गिरावट को देखते हुए लॉकडाउन में और ढील देने का फैसला किया है। इसके तहत सरकारी कार्यालय अब सायं 7 बजे तक खुल सकेंगे। वहीं, जिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों को टीके की कम से एक खुराक लग चुकी है वे 3 घंटे अतिरिक्त यानी सायं 7 बजे तक खुले रह सकेंगे। इसके अलावा लोगों के लिए 28 जून से सार्वजनिक स्थानों पर प्रवेश की अनुमति दी गई है,

मन की बात में बोले पीएम मोदी-

21 जून को हुआ रिकॉर्ड टीकाकरण, वैक्सीन नहीं लेना खतरनाक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। कार्यक्रम के 78वां संस्करण में पीएम मोदी ने टोक्यो ओलंपिक्य का जिक्र करते हुए मिल्खा सिंह को याद किया। पीएम ने कहा कि मिल्खा सिंह का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। मन की बात राष्ट्र के लिए प्रधानमंत्री का मासिक रेडियो संबोधन है, जो हर महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क पर प्रसारित किया जाता है।

हमारे देश में अब मानसून का सीजन भी आ गया है। बादल जब बरसते हैं तो केवल हमारे लिए ही नहीं बरसते बल्कि बादल आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बरसते हैं। बारिश का पानी जमीन में जाकर इकठ्ठा होता है,जमीन के जलस्तर को भी सुधारता है इसलिए मैं जल सरंक्षण को देश सेवा का एक ही रूप मानता हूं

कभी-ना-कभी ये विश्व के लिए केस स्टडी का विषय बनेगा कि भारत के गांव के लोगों, हमारे वनवासी-आदिवासी भाई-बहनों ने इस कोरोना काल में किस तरह अपने सामर्थ्य और सूझबूझ का परिचय दिया। गांव के लोगों ने क्वारंटीन सेंटर बनाए, स्थानीय जरूरतों को देखते हुए कोविड प्रोटोकॉल बनाऐ

एक साल पहले सबके समाने सवाल था कि वैक्सीन कब आएगी?

कभी-ना-कभी ये विश्व के लिए केस स्टडी का विषय बनेगा कि भारत के गांव के लोगों, हमारे वनवासी-आदिवासी भाई-बहनों ने इस कोरोना काल में किस तरह अपने सामर्थ्य और सूझबूझ का परिचय दिया।

आज हम एक दिन में लाखों लोगों को मेड इन इंडिया वैक्सीन मुफ्त में लगा रहे हैं। यही तो नए भारत की नई ताकत है

टोक्यो जा रहे हर खिलाड़ी का अपना संघर्ष रहा है, बरसों की मेहनत रही है। वो सिर्फ अपने लिए ही नहीं जा रहे हैं बल्कि देश के लिए जा रहे हैं। इन खिलाडियों को भारत का गौरव भी बढ़ाना है और लोगों का दिल भी जीतना है- पीएम मोदी

कोरोना के खिलाफ हम देशवासियों की लड़ाई जारी है, 21 जून को वैक्सीन अभियान के अगले चरण की शुरुआत हुई और उसी दिन देश ने 86 लाख से ज्यादा लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया..वो भी एक दिन में

जब बात टोक्यो ओलंपिक्स की बात हो रही हो, तो मिल्खा सिंह जी जैसे महान एथलीट को कौन भूल सकता है। कुछ दिन पहले ही कोरोना ने उन्हें हमसे छीन लिया। जब वे अस्पताल में थे, तो मुझे उनसे बात करने का अवसर मिला था। बात करते हुए मैंने उनसे आग्रह किया था कि आपने तो 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, इसलिए इस बार जब हमारे खिलाड़ी ओलंपिक के लिए टोक्यो जा रहे हैं तो आपको हमारे एथलीट का मनोबल बढ़ाना है

शनिवार को प्रधानमंत्री ने एक पुराने मन की बात प्रकरण को साझा किया जिसमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर नशीली दवाओं के खतरे पर काबू पाने के कई पहलू शामिल थे। अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने लिखा, आइए, हम सब मिलकर नशे को लेकर सही जानकारी साझा करने और नशा मुक्त भारत की कल्पना को साकार करने की प्रतिबद्धता को दोहराएं। याद रखिए, नशा ना तो अच्छी चीज है और ना ही स्टाइल की अभिव्यक्ति।

ऑक्सीजन ऑडिट रिपोर्ट पर कमेटी के दो सदस्यों ने उठाए सवाल

गुलेरिया के बयान के बाद केंद्र पर हमलावर दिखे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑक्सीजन की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ऑडिट कमेटी के उपसमूह की अंतरिम रिपोर्ट पर अब समिति सदस्यों ने ही असहमति जताई है। दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) बीएस भल्ला व मैक्स हेल्थकेयर के क्लीनिकल डायरेक्टर संदीप बुद्धिराजा ने अन्य सदस्यों को पत्र लिख रिपोर्ट पर सवाल खड़ा किया है। इससे पहले कमेटी के प्रमुख डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि यह रिपोर्ट अंतरिम है, अंतिम नहीं। भल्ला ने ऑक्सीजन की मांग चार गुना ज्यादा दिखाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये आंकड़े तथ्य से परे हैं। रिपोर्ट में जिस ऑक्सीजन डिमांड (1140 मीट्रिक टन) की बात है दिल्ली सरकार ने कभी भी इस तरह की मांग नहीं की है। जिन चार अस्पतालों की मांग पर यह बात कही गई उसके बारे में 13 मई को कमेटी की बैठक में चर्चा भी की गई थी। इसके बाद कुछ डेटा ठीक कर 183 अस्पतालों में ऑक्सीजन मांग 209 मीट्रिक टन बताई गई थी। इधर, गुलेरिया के बयान के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र पर हमलावर दिखे। दिल्ली में कोविड की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की अंतरिम रिपोर्ट पर उठे विवाद के बीच दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव बी.एस. भल्ला ने कहा है कि ऐसा लगता होता है कि उक्त रिपोर्ट बिना बदलाव और कमेटी की मंजूरी के केंद्र सरकार को भेज दी गई। वहीं, भल्ला के अलावा मैक्स हेल्थकेयर के क्लीनिकल निदेशक संदीप बुद्धिराजा ने भी रिपोर्ट के निष्कर्षों पर सवाल उठाए हैं। कमेटी के सदस्यों में से एक भल्ला ने शुक्रवार को एक नोट में कहा कि उन्होंने मसौदा अंतरिम रिपोर्ट पर विस्तार से लिखित तौर पर अपनी आपत्तियां और टिप्पणी 31 मई को कमेटी को भेजी थीं और उसे संशोधित करने तथा सदस्यों की मंजूरी लेने का अनुरोध किया था। भल्ला ने कमेटी के सभी सदस्यों को भेजे अपने नोट में कहा, अंतरिम रिपोर्ट को बिना जरूरी बदलाव किए, कमेटी के सदस्यों के साथ दोबारा साझा किए बगैर और बिना उनकी मंजूरी के भारत सरकार को भेज दी गई। कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में ऑक्सीजन की मांग को कथित तौर पर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करने वाली खबर का हवाला देते हुए भल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे अधूरी जानकारी के आधार पर दृष्टिकोण बनाया जा सकता है।

कोरोना से हुई मौतों के लिए इंश्योरेंस का कोई प्रावधान नहीं, मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट को लेकर चिंता के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कोरोना होने वाली मौतों के लिए इंश्योरेंस का कोई प्रावधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि देश में ऐसी कोई नीति नहीं है, जिसके तहत कोरोना से हुई मौतों पर नेशनल इंश्योरेंस कवर मुहैया कराया जाता हो। साथ ही केंद्र ने यह भी कहा कि देश में प्राकृतिक आपदाओं के रिस्क इंश्योरेंस कवरेज के लिए इस महामारी को शामिल करने का भी कोई विचार नहीं किया गया है।

केंद्र सरकार ने वकील गौरव बंसल द्वारा दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी, जिसमें कोरोना से होने वाली प्रत्येक मौत के लिए पड़ित परिवार को 4 लाख मुआवजा देने की मांग गई है। इस पर केंद्र ने दोहराया कि वित्त आयोग ने अक्टूबर 2020 में आर्थिक सहायता देने के लिए महामारी को आपदा के रूप में शामिल करने के खिलाफ सिफारिश की थी। यह हलफनामा केंद्र सरकार के उस हलफनामे के स्पष्टीकरण में प्रस्तुत किया गया, जिसमें केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा था कि कोविड-19 से मरने वालों के परिवारों को ?

4 लाख की अनुग्रह राशि का भुगतान नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह राजकोषीय सामर्थ्य से परे है और केंद्र और राज्य सरकारें गंभीर वित्तीय तनाव में हैं। दरअसल, 21 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र से सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कोविड-19 से मरने वाले लोगों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि नहीं देने का फैसला किया था। साथ ही, शीर्ष न्यायालय ने कहा कि लाभार्थियों के मन में किसी भी तरह के मलाल को दूर करने के लिए एकसमान मुआवजा योजना तैयार करने पर विचार किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने न्यायालय में दाखिल किये गये अपने हलफनामे में कहा कि राकोषीय वित्तीय स्थिति तथा केंद्र एवं राज्यों की आर्थिक स्थिति पर भारी दबाव के चलते अनुग्रह राशि का वहन बहुत कठिन है। हालांकि केंद्र ने न्यायालय से यह भी कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार के पास धन नहीं है। केंद्र ने कहा था कि हम स्वास्थ्य सेवा ढांचा बनाने, सभी को भोजन सुनिश्चित करने, पूरी आबादी का टीकाकरण करने और अर्थव्यवस्था को वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध कराने के लिए रखे गये कोष के बजाय अन्य चीजों के कोष का उपयोग कर रहे हैं। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एम आर शाह की अवकाश पीठ ने सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता से कहा था कि आप(केंद्र) सही स्पष्टीकरण दे रहे हैं

मनमानी फीस वसूलने वाले स्वामी शिवानंद मेमोरियल स्कूल पर गिरी गाज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पंजाबी बाग स्थित स्वामी शिवानंद मेमोरियल स्कूल के प्रबंधन अपने हाथ में लेने का फैसला किया है। अभिभावकों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि स्कूल बच्चों से मनमानी फीस की वसूली कर रहा है। इसके अलावा स्कूल द्वारा शिक्षा के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन किया जा रहा था। दिल्ली सरकार ने अभिभावकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए इस मामले में एक जांच कमेटी का गठन किया था। जांच के दौरान कमेटी ने छात्रों के अभिभावकों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सही पाया और स्कूल के कामकाज में अनियमितता पाई। बयान में कहा गया कि जो कमियां और शिकायतें सही पाई गईं, उन्हें देखते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 1973 के प्रावधानों के तहत स्कूल प्रबंधन को अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। कमेटी की रिपोर्ट के बाद स्कूल प्रबंधन को अपना बचाव करने का मौका दिया गया, लेकिन स्कूल प्रबंधन अपने कामकाज में विसंगतियों के बारे में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाया। इसके बाद सरकार ने स्कूल के मैनेजमेंट के अधिग्रहण करने का निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सरकारी और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी से लेकर 12 वीं कक्षाओं को फिर से खोले जाने तक टीचिंग और लर्निंग एक्टिविटीज के बारे में शनिवार को एक सर्कुलर जारी किया। एक अधिकारिक बयान में कहा गया है कि मौजूदा सत्र के लिए एक्शन प्लान को तीन चरणों में बांटा गया है, जिसमें टीचिंग और लर्निंग प्रक्रिया को आसान बनाना भी शामिल है। पहला चरण 28 जून से शुरू होगा।

जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर 5 मिनट में दो बड़े धमाके, पूरा इलाका सील

श्रीनगर। जम्मू एयरपोर्ट परिसर के नजदीक एयरफोर्स स्टेशन के टेक्निकल इलाके में तेज धमाका हुआ है। स्टेशन के अत्यधिक सुरक्षा वाले तकनीकी क्षेत्र में शनिवार देर रात पांच मिनट के अंतराल में दो बड़े विस्फोट हुए। अधिकारियों ने की मानें तो फिलहाल पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर मौजूद है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट देर रात करीब सवा दो बजे हुए। पहले विस्फोट के कारण हवाईअड्डे के तकनीकी क्षेत्र में एक इमारत की छत ढह गई। इस स्थान की देखरेख का जिम्मा वायु सेना उठाती है और

दूसरा विस्फोट जमीन पर हुआ। इसमें किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली थी।

रक्षा प्रवक्ता ने कहा, जम्मू में वायु सेना के अड्डे में धमाके की खबर मिली है। इसमें कोई जवान हताहत नहीं हुआ है और न ही कोई साजो सामान क्षतिग्रस्त हुआ है। जांच चल रही है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को कुछ ही मिनटों में सील कर दिया। सूत्रों ने बताया कि वायु सेना अड्डे पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और भारतीय वायु सेना के अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। जम्मू हवाई अड्डा एक असैन्य हवाई अड्डा है।

वैक्सीन पर यूटर्न? मई में 216 करोड़ डोज का वादा, पर अब सरकार ने SC को बताया-135 करोड़ ही मिलेंगी

नई दिल्ली। मई महीने में अगस्त से दिसंबर के बीच वैक्सीन की करीब 216 करोड़ डोज की उपलब्धता का दावा करने वाली मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि अब 135 करोड़ टीके ही उपलब्ध होंगे। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो जवाब दाखिल किया है, उसके हिसाब से पहले के टारगेट के हिसाब से 81 करोड़ वैक्सीन की कमी का अनुमान है। दरअसल, हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जानकारी कि अगस्त 2021 से दिसंबर 2021 तक कोविड-19 के कुल 135 करोड़ टीके उपलब्ध होंगे। इसमें कोविशील्ड के 50 करोड़, कोवैक्सीन के 40 करोड़, बायो ई सब यूनिट वैक्सीन के 30 करोड़, जाइडस कैडिला वैक्सीन के 5 करोड़ और स्पुतनिक वी के 10 करोड़ टीके शामिल होंगे। इसे एक तरह से सरकार का यू टर्न माना जा रहा है, क्योंकि मई में केंद्र सरकार ने अगस्त से दिसंबर के दौरान भारत में 216 करोड़ कोरोना टीकों की मैन्युफैक्चरिंग का ऐलान किया था।

31 जुलाई तक उपलब्ध होगी टीके की 51.6 करोड़ खुराक-सरकार ने कोर्ट से कहा कि 31 जुलाई तक कोविड टीके की कुल 51.6 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें से 35.6 करोड़ खुराक पहले ही मुहैया करायी जा चुकी हैं। बच्चों के लिए टीका उपलब्ध कराने की स्थिति को लेकर केंद्र ने एक हलफनामे में कहा कि भारत के दवा नियामक ने 12 मई को भारत बायोटेक को उसके टीके कोवैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल दो से 18 साल के प्रतिभागियों पर करने की

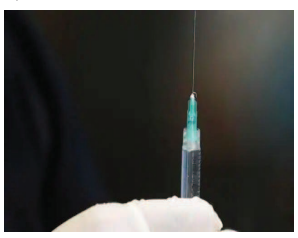

अनुमति प्रदान की थी और इस परीक्षण के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है।

पहले किया था 216 करोड़ टीकों का वादा

बता दें कि मई में केंद्र सरकार ने अगस्त से दिसंबर के दौरान भारत में 216 करोड़ कोरोना टीकों की मैन्युफैक्चरिंग का ऐलान किया था। तब नीति आयोग की स्वास्थ्य समिति के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने यह जानकारी दी थी। पॉल ने कहा था, %देश में अगस्त से दिसंबर के दौरान कुल 216 करोड़ कोरोना टीके तैयार किए जाएंगे। ये टीके पूरी तरह से भारत और भारतीयों के लिए ही बनेंगे। उन्होंने कहा था कि इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आने वाले समय में सभी को वैक्सीनेशन के तहत कवर किया जाएगा।

12 से 18 साल के बच्चों के लिए क्लीनिकल ट्रायल पूरा

अदालत को यह भी बताया गया कि डीएनए टीका विकसित कर रहे जायडस कैडिला ने 12 से 18 वर्ष के आयु-समूह पर क्लीनिकल ट्रायल पूरा कर लिया है और इसे वैधानिक मंजूरी मिलने के बाद यह टीका निकट भविष्य में 12 से 18 साल के बच्चों के लिए उपलब्ध हो सकता है। हलफनामे में सरकार ने यह भी कहा कि देश की पात्र आबादी का टीकाकरण करने के वास्ते टीका उपलब्ध रहेगा।

लोगों को व्यवहार पर निर्भर करेंगे मामले

वहीं, केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को यह भी बताया कि वे देश में कोविड-19 के मामलों में इजाफा होने की सूरत में इससे निपटने के लिए राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और इसके बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत कर रहे हैं। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में केंद्र ने कहा कि इस चरण में मामलों में फिर से वृद्धि होने की संभावना जताना काल्पनिक होगा। हालांकि, संक्रमण के मामलों में इजाफा वायरस के व्यवहार और लोगों के व्यवहार के पैटर्न पर निर्भर करेगा कि क्या वे कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन कर रहे हैं या नहीं?

इसमें कहा गया कि राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों को लगातार सतर्कता बरतने को लेकर आगाह किया गया है और उन्हें संबंधित राज्य में कोविड के प्रसार में बढ़ोतरी होने की दशा में इससे निपटने के लिए सभी तैयारियां करने को भी कहा गया है।

सार समाचार

जम्मू में संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, विस्फोटक सामग्री बरामद

जम्मू। जम्मू में एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से कुछ विस्फोटक सामग्री मिली है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति बनिहाल का रहनेवाला है। उसे जम्मू के बाहरी इलाके में त्रिकूट नगर क्षेत्र से शनिवार रात गिरफ्तार किया गया। इस मामले में आगे विवरण की प्रतीक्षा है। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध की गिरफ्तारी और विस्फोटक मिलने के बाद जम्मू संभाग में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भारत में 50 हजार के पार हुए नए कोरोना मरीज, 1,258 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के एक दिन में 50,040 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3,02,33,183 हो गई और उपचाराधीन मामलों की संख्या गिरकर 5,86,403 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस संक्रामक रोग से एक दिन में 1,258 लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 3,95,751 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या और कम होकर 5,86,403 हो गयी जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.94 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या लगातार 45वें दिन कोविड-19 के रोज आने वाले मरीजों की संख्या से अधिक है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,92,51,029 हो गयी है। मृत्यु दर 1.31 प्रतिशत है।

गैंगस्टरों और माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार की सख्त कार्रवाई, जब्त की 1,128 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में अपराधियों, गैंगस्टरों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी है। एक साल और तीन महीने की अवधि में यूपी सरकार ने सख्त उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और एंटी-गैंगस्टर के तहत खूंखार गैंगस्टर अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी सहित कम से कम 25 माफियाओं की 1128 करोड़ 23 लाख 97 हजार 800, 46 रुपये की चल-अचल संपत्ति सहित अवैध संपत्तियों को जब्त कर लिया है। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त डीजीपी प्रशांत कुमार ने आंकड़े जारी करते हुए बताया कि इस अवधि के दौरान जिन संपत्तियों को जब्त और ध्वस्त किया गया है, उनमें से अधिकांश हाई-प्रोफाइल माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की हैं।

सरकार ने स्ट को बताया- 31 जुलाई तक कोविड टीकों की 51.6 करोड़ खुराक उपलब्ध रहेंगी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि 31 जुलाई तक कोविड टीके की कुल 51.6 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई जाएंगी जिनमें से 35.6 करोड़ खुराक पहले ही मुहैया करायी जा चुकी हैं। बच्चों के लिए टीका उपलब्ध कराने की स्थिति को लेकर केंद्र ने एक हलफनामे में कहा कि भारत के दवा नियामक ने 12 मई को भारत बायोटेक को उसके टीके कोवैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल दो से 18 साल के प्रतिभागियों पर करने की अनुमति प्रदान की थी और इस परीक्षण के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। अदालत को यह भी बताया गया कि डीएनए टीका विकसित कर रहे जायडस कैडिला ने 12 से 18 वर्ष के आयुसमूह पर क्लीनिकल ट्रायल पूरा कर लिया है और इसे वैधानिक मंजूरी मिलने के बाद यह टीका निकट भविष्य में 12 से 18 साल के बच्चों के लिए उपलब्ध हो सकता है। हलफनामे में सरकार ने यह भी कहा कि देश की पात्र आबादी का टीकाकरण करने के वास्ते टीका उपलब्ध रहेगा। वहीं, केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को यह भी बताया कि वे देश में कोविड-19 के मामलों में इजाफा होने की सूरत में इससे निपटने के लिए राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और इसके बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत कर रहे हैं। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में केंद्र ने कहा कि इस चरण में मामलों में फिर से वृद्धि होने की संभावना जुताना काल्पनिक होगा।

पीएम मोदी ने किया जेन गार्डन और कैजान अकादमी का उद्घाटन, भारत-जापान के रिश्ते होंगे मजबूत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन (एएमए) में एक जापानी जेन गार्डन और काइज़न अकादमी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीए मोदी ने कहा कि, भारत और जापान जितना बाहरी प्रगति और उन्नति के लिए समर्पित रहे हैं, उतना ही आंतरिक शांति और प्रगति को भी हमने महत्व दिया है। जापानी ज़ेन गार्डन शांति की इसी खोज की, इसी सादगी की सुंदर अभिव्यक्ति है। अहमदाबाद में ज़ेन गार्डन और कैजान एकेडमी के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि, ज़ेन गार्डन और कैजान एकेडमी के लोकार्पण का ये अवसर भारत-जापान के संबंधों की सहजता और आधुनिकता का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि जापानी ज़ेन गार्डन, कैजान एकेडमी की स्थापना भारत-जापान के रिश्तों को और मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि, जापान की एक से बढ़कर एक कंपनियां आज गुजरात में काम कर रही हैं। मुझे बताया गया है कि इनकी संख्या 135 से भी ज्यादा है। ऑटोमोबिल से लेकर बैंकिंग तक, कंस्ट्रक्शन से लेकर फार्मा तक, हर सेक्टर की जापानी कंपनी ने गुजरात में अपना बेस बनाया हुआ है। पीएम ने वर्चुएल संबोधन में कहा कि,हमारे(भारत और जापान) पास सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों का मजबूत विश्वास भी है और भविष्य के लिए एक कॉमन विज़न भी! इसी आधार पर हम पिछले कई वर्षों से अपनी स्पेशल स्ट्रेटिजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

ऑक्सीजन विवादः गुलेरिया ने ऑडिट रिपोर्ट को बताया अंतरिम, केजरीवाल ने आपस में नहीं लड़ने की अपील की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने दिल्ली की ऑक्सीजन आवश्यकता पर दी गई रिपोर्ट के बारे में शनिवार को कहा कि यह अंतरिम है और अंतिम शब्द नहीं है। वहीं, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जोर देते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी वास्तविक थी। दिल्ली के अस्पतालों की ऑक्सीजन की जरूरत को कथित तौर पर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे केजरीवाल ने इस विषय पर बेवजह की राजनीतिक बयानबाजी बंद करने और हर किसी से साथ मिल कर काम करने की अपील की, ताकि तीसरी लहर में किसी को भी दिक्कत नहीं हो। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''आपस में लड़ेंगे तो कोरोना वायरस जीत जाएगा।'' गौरतलब है कि एक दिन पहले आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच उस रिपोर्ट को लेकर जमकर जुबानी जंग हुई थी, जिसमें कहा गया कि कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में ऑक्सीजन की मांग चार गुना अधिक बतायी गयी। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त पांच सदस्यीय समिति का नेतृत्व करने वाले गुलेरिया ने पीटीआई-से कहा, ''यह एक अंतिम रिपोर्ट है। ऑक्सीजन की जरूरत में उतार-चढ़ाव होता रहा है और इसमें दिन ब दिन बदलाव होता है। यह विषय न्यायालय में विचाराधीन है। ''रिपोर्ट के आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल सरकार पर ''आपराधिक लापरवाही'' बरतने का आरोप लगाया, तो वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि ''फर्जी रिपोर्ट'' भाजपा के कार्यालय में ''गढ़ी'' गई। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा, ''ऑक्सीजन पर आपका झगड़ा खत्म हो गया हो तो थोड़ा काम कर लें? आइए मिलकर ऐसी व्यवस्था बनाते हैं कि तीसरी लहर में किसी को ऑक्सीजन की कमी ना हो। दूसरी लहर में लोगों को ऑक्सीजन की भीषण कमी हुई। अब तीसरी लहर में ऐसा ना हो। आपस में लड़ेंगे तो कोरोना जीत जाएगा। मिलकर लड़ेंगे तो देश जीतेगा।'' सिसोदिया ने एक ट्वीट में भाजपा को ''भारतीय झगड़ा पार्टी'' बताते हुए कहा, '' भारतीय झगड़ा पार्टी के नेताओं को केवल झगड़ा करना आता है। इन्हें न ऑक्सीजन से मतलब है, न कोरोना की तीसरी लहर से। जब तीसरी लहर आएगी तब वे किसी और जगह चुनाव में झगड़े करा रहे होंगे। चुनाव खत्म होंगे तो फिर निर्वाचित सरकारों से झगड़ने में लग जाएँगे। '' उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित एक उप-समूह ने कहा कि दिल्ली सरकार ने ऑक्सीजन की खपत ''बढ़ा-चढ़ाकर'' बतायी और 1140 मीट्रिक टन ऑक्सीजन का दावा किया, जो 289 मीट्रिक टन की आवश्यकता से चार गुना अधिक थी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने ''गलत फॉर्मूले'' का इस्तेमाल करते हुए 30 अप्रैल को 700 मीट्रिक टन मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन के आवंटन के लिए दावा किया। वहीं, दो सदस्यों, दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) बी एस भल्ला और मैक्स हेल्थकेयर के क्लीनिकल डायरेक्टर संदीप बुद्धिराजा ने नतीजे पर सवाल उठाए। भल्ला ने अपनी आपत्ति दर्ज करायी और 30 मई को उनसे साझा की गयी 23 पन्ने की अंतरिम रिपोर्ट पर टिप्पणी की। रिपोर्ट में 31 मई को भल्ला द्वारा भेजे गए पत्र का एक अनुलग्नक है, जिसमें उन्होंने कहा कि मसौदा अंतरिम रिपोर्ट को पढ़ने से यह 'दुखद रूप से स्पष्ट' होता है कि उप-समूह कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए छह मई के उच्चतम न्यायालय के आदेश की शर्तों का पालन नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि उप समूह ने जिस तरह कार्यवाही की इससे संकेत मिलता है कि कार्यवाही का उद्देश्य पहले से सुनियोजित और तय निष्कर्ष तक पहुंचना और दिल्ली को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की कम मात्रा की सिफारिश करना था।

योगी सरकार ने 2017 के घोषणापत्र के वादों को पूरा करने का किया दावा

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान जारी लोक कल्याण संकल्प पत्र में किसानों से किए गए कृषि विकास के वादे और किसानों से किए गए वादों को पूरा करने का दावा किया है। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, योगी आदित्यनाथ सरकार की कृषि विकास और किसानों के उत्थान की यात्रा, 86 लाख किसानों के 36,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ करने के साथ शुरू हुई। इसके बाद प्रगतिशील और अभिनव किसानों को पहचानने के साथ-साथ उनकी उपज के लिए बीमा कवर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना का कार्यान्वयन किया गया। कृषि विकास की मजबूत नींव रखने से लेकर इसे लाभकारी क्षेत्र बनाने और किसानों की आय दोगुनी करने तक योगी सरकार के पास कई उपलब्धियां है। पिछले चार वर्षों में, राज्य सरकार ने 45.74 लाख गन्ना किसानों को 1,37,891 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड भुगतान किया है, जो कि बहुजन समाज पार्टी सरकार के दौरान किए गए भुगतान से दो गुना अधिक है और समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल से किए गए भुगतान से डेढ़ गुना अधिक है। योगी सरकार ने कृषि, किसानों और खेत मजदूरों के विकास के वादे को पूरा करते हुए न केवल रिकॉर्ड अनाज उत्पादन और खरीद हासिल की, बल्कि खरीद प्रक्रिया से बिचौलियों को खत्म करते हुए 72 घंटे के भीतर किसानों के खातों में सीधे भुगतान किया।

सूरत के हीरा कारोबारी महेश सवानी आप में शामिल

नई दिल्ली। सूरत के प्रसिद्ध हीरा कारोबारी महेश सवानी रविवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने टोपी और पटका पहना कर उनका पार्टी में स्वागत किया।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, महेश भाई, आम आदमी पार्टी में आपका स्वागत है। हम सब मिलकर गुजरात के विकास के लिए काम करेंगे। इस मौके पर मनीष सिसोदिया ने कहा, मुझे खुशी है कि गुजरात में पिछले 4 महीने में आम आदमी पार्टी का तेजी से प्रसार हुआ है। हमें जनता का स्नेह मिल रहा है। सूरत की जनता ने आम आदमी पार्टी पर भरोसा कर सूरत की राजनीति में युवा और पढ़े-लिखे लोगों को चुनना शुरू कर दिया है। ये बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के लिए बेहद गर्व और सम्मान की बात है कि महेश सवानी, अरविंद केजरीवाल के विज़न से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि महेश सवानी ने एक समाजसेवी के रूप में समाज के विकास के लिए काम किया है। अब गवर्नेंस में भी बदलाव लाना चाहते हैं। इनके अनुभवों से पार्टी और गुजरात की जनता को बहुत लाभ मिलेगा।

अपने जन्मस्थली पहुंचे राष्ट्रपति कोविंद ने कहा- सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे देश का सर्वोच्च पद मिलेगा

लखनऊ/ कानपुर देहात (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को कहा कि उन्होंने सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि वह देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होंगे। कोविंद ने कानपुर देहात जिले के परौंख गांव (अपनी जन्मस्थली) में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने का सम्मान मिलेगा, लेकिन हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने ऐसा कर दिखाया।'' राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं को भी श्रद्धांजलि दी और कहा, ''आज मैं जहां भी पहुंचा हूं, उसका श्रेय इस गांव की मिट्टी, इस क्षेत्र और आपके प्यार एवं आशीर्वाद को जाता है। बुजुर्गों को माता-पिता की तरह सम्मान देना हमारे संस्कार हैं और मुझे खुशी है कि हमारे परिवार में बड़ों को सम्मान देने की यह परंपरा अब भी जारी है।''

कोविंद ने कहा, मैं कहीं भी रहूं, मेरे गांव की मिट्टी की खुशबू और मेरे गांव के लोगों की यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी। परौंख गांव मेरी मातृभूमि है, जहां से मुझे देश सेवा करने की प्रेरणा मिलती रही है। राष्ट्रपति ने कहा, '' मातृभूमि से मिली इस प्रेरणा ने मुझे उच्च न्यायालय से उच्चतम न्यायालय, उच्चतम न्यायालय से राज्य सभा, राज्य सभा से राजभवन और राजभवन से राष्ट्रपति भवन तक पहुंचाया है।'' राष्ट्रपति कोविंद रविवार सुबह परौंख गांव में अपने जन्म स्थान पहुंचे जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख?यमंत्री योगी आदि?यनाथ ने उनका स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक के जन संपर्क अधिकारी विकास राय ने बताया कि पटेल और आदित्यनाथ ने कोविंद का उनके पैतृक गांव परौंख में स्वागत किया। कोविंद अपनी पत्नी और बेटी के साथ पथरी देवी मंदिर गए, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। उन्होंने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल औरमुख्यमंत्री के साथ परौंख गांव का दौरा किया। कोविंद परौंख गांव के प्राथमिक स्कूल पहुंचे, जहां उन्हें लोगों को संबोधित किया। कोविंद अपने पुराने परिचितों, विधायकों और भाजपा पदाधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। वह पुखरायां जाएंगे, जहां वह 60 से अधिक लोगों से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति 28 और 29 जून को लखनऊ रहेंगे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मुताबिक, वह सोमवार को कानपुर से पूर्वाह्न 10 बजकर 20 मिनट पर विशेष ट्रेन से लखनऊ के लिए रवाना होंगे और वह पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर लखनऊ रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। रेलवे स्टेशन से वह सीधे राजभवन आएंगे, जहां वह दोपहर का भोजन करेंगे। राज भवन में ही शाम छह बजे एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे। कोविंद सोमवार रात को राजभवन में विश्राम करेंगे। वह मंगलवार को पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे लोकभवन से भारत रत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर मेमोरियल एवं सांस्कृतिक सेंटर की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद, वह शाम साढ़े छह बजे लखनऊ हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

तीन दिवसीय दौरे पर लद्दाख पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सुरक्षा तैयारियों की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने तीन दिवसीय दौरे पर लद्दाख पहुंचे। इस दौरान वह लेह में पूर्व सैनिकों से मिले और उन्होंने कहा कि, हमारी सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में कितना सम्मान है ये बताने की जरूरत नहीं है। 30-40 वर्षों से वन रैंक, वन पेंशन की समस्या चली आ रही थी। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही वन रैंक, वन पेंशन की मांग को पूरा किया है। बता दें कि राजनाथ सिंह लेह में सैन्य अभियानों की तैयारियों का जायजा लेंगे।मई से चल रही चीन और भारत के बीच के तनाव को दूर करने के लिए दोनों देशों के राजनायिकों के बीच वार्ता हुई है। बता दें कि रक्षा मंत्री सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्मित ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

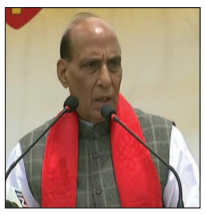

जगन ने बेरोजगार युवाओं की पीठ में छुरा घोंपा: टीडीपी

अमरावती (एजेंसी)।

विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी आंध्र प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अपने लगातार झूठे वादों और नवीनतम जॉब कैलेंडर जैसे फर्जी दावों के साथ उनकी पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

टीडीपी सांसद के. राममोहन नायडू ने मुख्यमंत्री से हाल ही में जारी नौकरी कैलेंडर को तुरंत वापस लेने की मांग की और इसे रोजगार रहित कैलेंडर कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी पदयात्रा के दौरान युवाओं से किए गए नौकरी के वादों को पूरा करने के लिए एक नया और वास्तविक कैलेंडर जारी करना चाहिए। सांसद ने कहा कि 26,000 शिक्षक पदों को भरने के लिए डीएससी अधिसूचना जारी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राज्य में 2.30 लाख नौकरियों के रिक्त पदों को भरने के लिए चुनाव से पहले किए गए अपने भव्य वादे को पूरा करना चाहिए। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राममोहन नायडू ने कहा कि जगन रेड्डी के बेरोजगार युवाओं से किए गए झूठे वादों के कारण वाईएसआरसीपी को 2019 में 175 में से 151 विधायक मिले थे। सीएम बनने के बाद जगन रेड्डी ने युवाओं की आकांक्षाओं को पूरी तरह से नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। सीएम ने चुनाव से पहले 2.30 लाख सरकारी रिक्तियों के बारे में बात की थी लेकिन अब उनके जॉब कैलेंडर में सिर्फ 10,000 रिक्तियों का संकेत दिया गया है। राममोहन नायडू ने दावा किया कि सीएम की रोजगार विरोधी नीतियों के कारण राज्य में बेरोजगारी दर साल 2018-19 के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर अब 13.5 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि जगन को केवल वादे तोड़ने के लिए जाना जाता है। उन्होंने याद किया कि चुनाव के दौरान जगन ने कहा था कि वह लड़ेंगे और केंद्र से आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा दिलाएंगे। अब, मुख्यमंत्री ने केवल यह कहकर एक और वादा तोड़ दिया कि केंद्र में भाजपा सरकार को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद से कुछ भी नहीं किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लोगों को यह समझाने की मांग की कि उनकी पार्टी के सांसद राष्ट्रीय स्तर पर विशेष दर्जे के लिए लड़ने के लिए इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जगन रेड्डी विशेष उड़ानों पर भारी मात्रा में खर्च करके दिल्ली का गुप्त दौरा कर रहे हैं।

मायावती ने किया बड़ा ऐलान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ गठबंधन से इनकार करते हुए रविवार को दावा किया कि दोनों राज्यों में अगले वर्ष के प्रारंभ में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अकेले ही चुनाव लड़ेगी। बसपा प्रमुख ने रविवार को ट्वीट के जरिये अपनी प्राथमिकता जाहिर की। उन्होंने ट्वीट किया, ''मीडिया के एक न्यूज चैनल में कल से यह खबर प्रसारित की जा रही है कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा आम चुनाव ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और बीएसपी मिलकर लड़ेगी। यह खबर पूर्णतः गलत, भ्रामक व तथ्यहीन है। इसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है तथा बसपा इसका जोरदार खंडन करती है।''

मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''वैसे इस सम्बन्ध में पार्टी द्वारा फिर से यह स्पष्ट किया जाता है कि पंजाब को छोड़कर, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अगले वर्ष के प्रारंभ में होने वाले विधानसभा चुनाव बसपा किसी भी पार्टी के साथ कोई भी गठबन्धन करके नहीं लड़ेगी अर्थात् अकेले ही लड़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''बसपा के बारे में इस किस्म की मनगढ़न्त व भ्रमित करने वाली खबरों को खास ध्यान में रखकर ही अब बसपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद सतीश चन्द्र मिश्र को पार्टी की मीडिया सेल का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। साथ ही मीडिया से भी यह अपील है कि वह बहुजन समाज पार्टी और पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि के सम्बन्ध में इस किस्म की भ्रमित करने वाली अन्य कोई भी गलत खबर लिखने, दिखाने व छापने से पहले एससी मिश्र से उस सम्बंध में सही जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।''

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष बिहार के विधानसभा चुनाव में बसपा ने राष?ट्रीय लोक समता पार्टी और एआईएमआईएम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) भी शामिल हुई थी। अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भागीदारी संकल्प मोर्चा के बैनर तले सुभासपा और एआईएमआईएम ने गठबंधन किया है और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ दलों को एकजुट करने की मुहिम चला रहा रहे हैं। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अभी हाल में यह दावा किया था कि वह भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं।

पुडुचेरी में सत्ता हथियाने के लिए पिछले दरवाजे से घुसने की कोशिश कर रही भाजपा

पुडुचेरी (एजेंसी)।

पुडुचेरी मंत्रिमंडल के मंत्री रविवार को शपथ लेंगे, जिसमें भाजपा के दो मंत्री और अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के तीन मंत्री , मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के 7 मई को पदभार ग्रहण करने के 51 दिन बाद कैबिनेट में शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था और पार्टी ने छह सीटें जीतीं। यह पहली बार था जब भगवा पार्टी ने केंद्रशासित प्रदेश में अपना खाता खोला। बीजेपी एआईएनआरसी के नेतृत्व वाली सरकार में जूनियर पार्टनर के तौर पर सत्ता साझा कर रही है। रंगासामी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद, वह कोरोना संक्रमित हुए और उन्हें चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब मुख्यमंत्री अस्पताल में थे, भाजपा ने अपने तीन नेताओं को विधायक के रूप में नामित किया और इस प्रकार 33 सदस्यीय सदन में पार्टी की संख्या नौ हो गई। 2021 के चुनावों में, रिकॉर्ड छह निर्दलीय जीते, और इसमें से तीन विधायकों ने भाजपा को अपना समर्थन दिया। इसने कई सिद्धांतों को जन्म दिया कि भाजपा अधिक मंत्री पद पाने के लिए एआईएनआरसी के साथ सौदेबाजी के खेल में प्रवेश करने की कोशिश कर रही थी। उसकी कोशिश है कि यदि संभव हो तो वह मंत्रिमंडल में ऊपरी स्थान हासिल करें। रंगासामी, जो चेन्नई के अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे, उन्होंने इस दौरान चुप्पी साधे रखी और पुडुचेरी के भाजपा नेतृत्व और यहां तक कि केंद्रशासित प्रदेश के पार्टी प्रभारी राजीव चंद्रशेखा के साथ बातचीत करना बंद कर दिया। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को रंगासामी के साथ भाजपा के राज्य नेतृत्व के साथ-साथ चंद्रशेखर के साथ बातचीच शुरू करवाने के लिए काफी अनुनय-विनय करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने अनिच्छा से सहमति व्यक्त की और इससे राज्य भाजपा और रंगासामी के बीच की खाई बढ़ गई। इस बीच, तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री और द्रमुक के वरिष्ठ नेता एस दुरईमुरुगन ने खुले तौर पर कहा कि भाजपा पिछले दरवाजे से सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है। के जीवनानंदन, राजनीतिक पर्यवेक्षक और माहे विकास मंच के निदेशक ने कहा, देश भर में भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड पुडुचेरी में हम जैसा देख रहे हैं वैसा ही है। इसने कांग्रेस पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं जैसे ए नामसिवयम और जॉन कुमार को अपने साथ कर लिया। इसी तरह, कई वरिष्ठ स्थानीय नेता भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा, हालांकि भाजपा अभी भी देश के इस हिस्से में एक गैर-इकाई है और वे पिछले दरवाजे से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, जो एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। रंगासामी को अपने क्षेत्र की ठीक से रक्षा करनी होगी अन्यथा भाजपा बहुमत हासिल करने के लिए काम करेगी और पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री का पद पाने का प्रयास करेगी। रविवार को रंगासामी मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ, राजनीतिक और सामाजिक हलकों में मिलियन-डॉलर का सवाल यह है कि क्या भाजपा गठबंधन को परेशान करेगी और ऊपरी हाथ हासिल करने की कोशिश करेगी या क्या वह जूनियर पार्टनर के रूप में संतुष्ट होगी। देश भर में भाजपा द्वारा अपनाई गई राजनीतिक लाइन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भगवा पार्टी प्रयोग के खिलाफ नहीं है और वह मुख्यमंत्री पद पाने के लिए कोशिश कर सकती है।

सार समाचार

चीन के हेनान प्रांत में 'मार्शल आर्ट' स्कूल में आग से 18 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हेनान प्रांत में शुक्रवार तड़के एक'मार्शल आर्ट' स्कूल में भीषण आग लग गयी, जिसके कारण कम से कम 18 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में अधिकतर बच्चे थे। इसके अलावा इस हादसे में 16 अन्य लोग घायल भी हो गए। झेनशिंग मार्शल आर्ट सेंटर की पहली मंजिल पर यह आग तड़के उस समय लगी जब बच्चे सो रहे थे। शुआंगक्वी शहर की झीचेंग काउंटी में स्थित इस बोर्डिंग स्कूल में कुल 34 बच्चे थे। हांगकांग स्थित समाचार पत्र साउथ चाइना ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि घायलों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि 12 लोग मामूली रूप से झुलसे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उसने स्कूल की इमारत से बच्चों के चिल्लाने की आवाजें सुनीं। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'सभी बच्चे चिल्ला रहे थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। हमने आग को बुझाने के लिए उस पर पानी डालने की कोशिश की, लेकिन आग को बुझा नहीं सके। धीरे-धीरे आग इतनी भीषण हो गयी कि उसे बुझाने के लिए कोई उसके पास नहीं जा सका।卐 अधिकारियों ने स्कूल के मालिक चेन लिन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लगी: श्रीलंका नौसेना

कोलंबो। हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लग गयी। श्रीलंका की नौसेना के प्रवक्ता इंडिका डि सिल्वा ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला एमएससी जहाज 22 जून को कोलंबो बंदरगाह से रवाना हुआ था और वह सिंगापुर की ओर जा रहा था किंतु श्रीलंका की समुद्री सीमा के पार जाने के बाद उसमें आग लग गयी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तड़के नौसेना को इस जहाज में आग लगने की सूचना दी गयी। उन्होंने कहा कि चूंकि जहाज अब भी श्रीलंका की तलाश एवं बचाव सीमा में है, इसलिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है। प्रवक्ता ने बताया कि देश के दक्षिणी छोर किरिंडा से करीब 483 समुद्री मील की दूरी पर यह जहाज है और उसके इंजन में आग लगी है। फिलहाल समीप के एक व्यापारिक जहाज को सहायता पहुंचाने को कहा गया है। अभी एक सप्ताह पहले श्रीलंका के मुख्य बंदरगाह के पास एक मालवाहक जहाज आग लगने के बाद डूब गया था। उसपर कई टन रसायन लदा था। सिंगापुर के झंडे वाले 'एक्स-प्रेस पर्ल' जहाज में मई में आग लग गयी थी। लेकिन वह 17 जून को डूबा।

बलूचिस्तान में हालात खराब! आतंकियों ने किया सुरक्षा बलों पर हमला, पांच सैनिकों की मौत

कराची। दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमला किया, जिसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। डॉन समाचार पत्र की खबर के मुताबिक बलूचिस्तान के सीबी जिले के संगन इलाके में गोलीबारी के दौरान आतंकवादियों को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया। पाकिस्तान सशस्त्र बल के मीडिया विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशन (अंतर सेवा जनसंपर्क) ने बताया कि गोलीबारी के दौरान 'फ्रंटियर कोर बलूचिस्तान' के पांच सैनिकों की मौत हो गई। आईएसपीआर ने बताया कि तलाश अभियान जारी है। इस महीने की शुरुआत में भी एक हमले में फ्रंटियर कोर के चार सैनिकों की मौत हो गई थी।

चीन ने भारत सीमा के पास तिब्बत में पहली बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की

बीजिंग। चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई

जहां 'फूक्सिंग' बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ। सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेडोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। शिंगहुआ यनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, 卐कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

कार्रवाई से बचाने की चीनी कोशिश नाकाम, पाकिस्तान ग्रे था...ग्रे ही रहेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की लिस्ट में पाकिस्तान बरकरार रहेगा। पाकिस्तान इस बात से शायद थोड़ा खुश होगा कि वो ब्लैक लिस्ट होने से बच गया। लेकिन ग्रे लिस्ट में भी बने रहना पाकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से अभी भी पाकिस्तान को बंदिशों में रहना होगा। भारत की ओर से लगातार ये दवाब बनाया जा रहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। तीन-चार दिनों तक चली मीटिंग में ये तय किया गया कि पाकिस्तान को अभी भी एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रहना पड़ेगा। जिसका सीधा सा मतलब है कि पाकिस्तान के सिर से अभी भी खतरे की तलवार हटी नहीं है।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट की वजह से करीब 38 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अब उसे इंटरनैशनल मॉनिटरी फंड जैसी संस्थाओं से मदद मिलना मुश्किल बना रहेगा। एफएटीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने 27 कार्यबिंदुओं में से अबतक केवल 26 को ही पूरा किया है। वहीं, पाकिस्तान में इस फैसले को पश्चिमी देशों का भेदभाव बताया जा रहा है और सवाल किया जा रहा है कि जब पाकिस्तान ने जून 2018 के बाद से अब तक इतने बिंदुओं पर काम पूरा कर लिया है, तो अभी भी उसे ग्रे लिस्ट में क्यों रखा गया। खबर ये भी आई थी कि एफएटीएफ की कार्रवाई से बचाने के लिए चीन, पाकिस्तान की मदद कर रहा था। चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत एफएटीएफ की बैठक में शामिल हुए। बता दें कि एफएटीएफ का गठन 1989 में किया गया था और इसके 39 सदस्य हैं।

कोरोना फ्री देश बना इजरायल में फिर बरसा कोविड का कहर, केस बढ़ने के बाद मास्क पहनना किया अनिवार्य

यरुशलम। (एजेंसी)।

दुनिया में टीकाकरण में सबसे आगे चल रहे इजराइल में कोरोना वायरस के एक नये स्वरूप के सामने आने के बाद बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इजराइल ने दुनिया में सबसे सफल टीकाकरण अभियानों में से एक को शुरू किया था, जिसमें लगभग 85 प्रतिशत वयस्क आबादी को टीका लगाया गया था। हाल के महीनों में, लगभग सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे क्योंकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट गई थी।

इजराइली मीडिया की खबर के अनुसार कई हफ्तों बाद हाल के दिनों मेंमामलों में फिर से वृद्धि देखी गई है। इजराइली मीडिया ने कोरोना वायरस प्रतिक्रिया अभियान का नेतृत्व कर रहे डॉ. नचमन ऐश के हवाले से कहा कि बृहस्पतिवार को इस महामारी के 227 नए मामलों की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार दोपहर से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना होगा। मामलों में वृद्धि का कारण अत्यधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण को माना जा रहा है, जो बच्चों सहित बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों में तेजी से फैलता है। इजराइल के जिन नागरिकों का टीकाकरण हो चुका हैं, वे भी कथित तौर पर संक्रमित हो गए हैं, लेकिन उनमें केवल मामूली लक्षण दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि महामारी की शुरुआत होने के बाद से इजराइल में इस वायरस से 6,429 लोगों की मौत हुई है।

पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकता: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकता। इसके साथ ही भारत ने इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत बहाल करने की जरूरत को भी रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पश्चिम एशिया (फलस्तीन के मुद्दे समेत) पर हुई बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) विकास स्वरूप ने सभी पक्षकारों से तनाव को कम करने और उकसावे से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''शांति प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। गतिरोध के कारण पक्षकारों के बीच विश्वास में कमी ही आती है और हिंसा की आशंका को बढ़ावा मिलता है।'' स्वरूप ने पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को तत्काल बहाल करने तथा इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''भारत 'क्वार्टेट' समेत सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करता है जिनका लक्ष्य इस बातचीत को बहाल करने और शांति प्रक्रिया के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।'' स्वतंत्र और लोकतांत्रिक फलस्तीन की स्थापना के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्वरूप ने कहा कि सार्थक और दीर्घकालिक शांति के लिए दो देश के समाधान का कोई ''विकल्प नहीं है।

ब्रिटेन के युद्धपोत के काला सागर में दाखिल होते ही पुतिन ने दिया वो आदेश जिसकी कल्पना बाइडेन और जॉनसन ने नहीं की होगी

बीजिंग। (एजेंसी)।

काला सागर को लेकर रूस और ब्रिटेन में तनाव बढ़ता जा रहा है। रूस ने मास्को में ब्रिटिश राजदूत को औपचारिक तौर तलब किया था और कहा था कि ब्लैक सागर पर रूस का अधिकार है। जबकि यूरोपीयन देशों का कहना है कि ब्लैक सागर पर यूक्रेन का अधिकार है। और ब्लैक सागर को लेकर रूस के साथ ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भारी तनाव है। क्रिमिया में अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के पास जैसे ही ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर ने कदम रखे, रूस ने उसे रेडियो पर सख्त चेतावनी दी और रास्ते नहीं बदलने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। रूस को उकसाने के इरादे से ब्रिटिश डिस्ट्रायर समुद्र में कुछ कदम और आगे बढ़ गया। फिर क्या था पुतिन ने अपने फाइटर जेट को वो आदेश दिया जिसकी कल्पना बोरिस जॉनसन और जो बाइडेन ने कभी नहीं की होगी। देखते ही देखते रूस के 20 बॉम्बर्स क्रीमिया के समुंद्र के ऊपर मंडराने लगे। पुतिन के आदेश पर रूस की दो समुद्री जहाज भी गोलियां बरसाने लगी। रूस के विमानों ने चार बड़े बम ब्रिटिश नेवी शिप के रास्ते पर गिराए। इसके साथ ही रूसी नेवी शिप ने सैकड़ों राउंड गोलियां दागी। हालांकि ब्रिटिश डिफेंस मिनिस्ट्री ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया है। लेकिन ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर में मौजूद बीबीसी संवाददाता ने गोले दागने और गोलियां चलाने की पुष्टि की है। बीबीसी संवाददाता का दावा है कि रूस की एक रक्षा नौका तो गोलियां दागते हुए 100 मीटर दूर तक आ पहुंची थी। जबकि आसमान में आग बरसाते रूसी जंगी जेट गोले गिरा रहे थे।

क्यों काले समुंद्र में मचा है कोहराम

साल 2014 तक क्रीमिया यूक्रेन का हिस्सा थी। लेकिन पुतिन की सेनाओं ने 2014 में क्रीमिया को अपने कब्जे में कर लिया। जिसे अमेरिका समेत नाटो देश मान्यता नहीं देते। रूस क्रीमिया की सीमा को अपनी जल सीमा मानता है जबकि अमेरिका और ब्रिटेन समेत 30 नाटो देश इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा मानते हैं।

ब्रिटेन का अपना अलग दावा

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत जहाज बहुत निर्दोष तरीके से यूक्रेन के क्षेत्रीय पानी से गुजर रहा था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा कि यह कहना गलत है कि जहाज पर कोई गोलीबारी हुई, या जहाज रूस की समुद्री सीमा में था।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बेटे ने किया कॉल गर्ल को किया 18 लाख का पेमेंट, पहुंच गयी थी सीक्रेट सर्विस!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बाइडेन को लेकर न्यूयॉर्क के अखबारों में एक खबर छपी है। न्यूयॉर्क पोस्ट द्वारा रिपोर्ट की गयी खबर के अनुसार मई 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बिडेन ने 24 वर्षीय एस्कॉर्ट महिला के साथ कुछ दिन बिताए थे। कॉल गर्ल के साथ बिताई गयी इन रातों के लिए हंटर को महिला को 18 लाख से अधिक पैसे देने पड़े थे। इस दौरान हंटर से एक गलती हुए और कॉल गर्ल के साथ बितायी गयी रातों की कीमत जो बाइडेन को चुकानी पड़ी।

यह घटना हंटर के लॉस एंजिल्स में चेटो मारमोंट में रहने के दौरान हुई थी, और पलायन से संबंधित संदेश और तस्वीरें उसके लैपटॉप में पाए गए थे। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, हंटर ने रूसी मूल की 'याना' नाम की महिला से अपना परिचय 'रोब' के तौर पर दिया। पोस्ट ने दावा किया कि बाद में वह उनसे उनकी हट में मिलने जाती थी और वे वोदका पीते थे और साथ में वीडियो बनाते थे। कुछ दिनों तक रहने के बाद, जब याना ने 8,000 (?5 लाख से अधिक) का भुगतान करने के लिए कहा, हंटर ने महसूस किया कि उसका कोई भी डेबिट कार्ड काम नहीं कर रहा है, रिपोर्ट में कहा गया है। असफल लेनदेन की एक श्रृंखला के बाद, हंटर अंततः एक अलग कार्ड का उपयोग करके याना को भुगतान करने में सफल रहा।

पेमेंट होने के बाद हंटर को तब एक पूर्व गुप्त सेवा विशेष एजेंट द्वारा संपर्क किया गया था, जो न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार रॉबर्ट सैवेज III के नाम से चला गया था। पोस्ट रिपोर्ट में दिखाए गए टेक्स्ट संदेशों से पता चलता है कि सैवेज ने हंटर को यह कहते हुए मैसेज किया कि पैसे 'सेल्टिक के खाते' से लेन-देन किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, 'सेल्टिक' जो बाइडेन का सीक्रेट सर्विस कोड नाम था, जब वह 2009-2017 तक उपराष्ट्रपति थे।

हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में विदेशी नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के षड्यंत्रकर्ता और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। मीडिया में आई खबरों से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। 'डॉन' समाचारपत्र की खबर के मुताबिक, संदिग्ध व्यक्ति की पहचान पीटर पॉल डेविड के रूप में हुई है और उसे बृहस्पतिवार को लहौर हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया गया। 'दुनिया टीवी' की खबर के मुताबिक डेविड को कराची जाने वाले एक विमान से उतारकर पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। ऐसा बताया गया है कि वह विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार का मालिक है।

खबर के मुताबिक, डेविड की यात्राओं के इतिहास से पता चला है कि वह कराची, लाहौर और दुबई लगातार आता-जाता रहता था और इन यात्राओं के पीछे की वजहों और अपनी गतिविधियों के बारे में वह जांचकर्ताओं के सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। बुधवार सुबह जोहर क़स्बे में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू हाउसिंग सोसाइटी में सईद के घर के बाहर एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 21 अन्य घायल हो गए थे। इस विस्फोट से सईद के घर की खिड़कियों और दीवारों को क्षति पहुंची थी।

किसी भी संगठन ने अब तक इस हमले की जम्मिेदारी नहीं ली है। खबर में बताया गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां एक और संदिग्ध की तलाश कर रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि विस्फोटकों से भरी कार को वही संबंधित स्थल तक लेकर आया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार 2010 में पंजाब प्रांत के गुजरांवाला से चोरी हुई थी और इसे कई बार खरीदा-बेचा गया तथा डेविड इसका अंतिम मालिक था। गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने दावा किया है कि पंजाब पुलिस लौहार में इस विस्फोट के पीछे के दोषियों को गिरफ्तार करने के करीब है।

चीन ने भारतीय सीमा के पास शुरू की पहली बुलेट ट्रेन, क्या है ड्रैगन की नई चाल

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ'ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई जहां ÷फूक्सिंग÷ बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ।

सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेदोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है।

चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। त्सिंगहुआ युनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, ÷कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

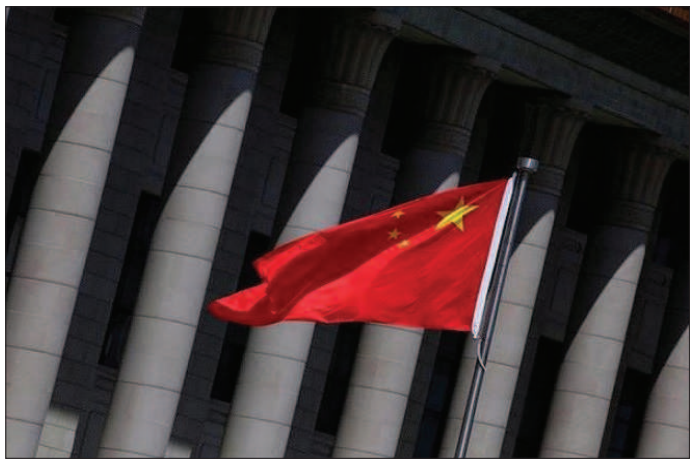

संपादकीय

शांति और विकास के लिए

संवाद एक सतत प्रक्रिया है, इसका होना और जारी रहना ही अपने आप में सफलता है। जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की पहल को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में हुई बातचीत स्वागतयोग्य है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद खास तौर पर घाटी में जो तल्खी दिखी, उसका समाधान संवाद से ही संभव है। घाटी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य दिग्गज मंत्रियों, नेताओं की बातचीत पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाह है। बहुत दिनों से यह मांग उठ रही थी कि केंद्र सरकार को कश्मीरी नेताओं से बातचीत करनी चाहिए। इस मांग के प्रति केंद्र ने उदारता दिखाई है और प्रधानमंत्री की इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के आठ राजनीतिक दलों के करीब 14 नेता शामिल हुए हैं। इनमें से ज्यादातर नेता वे हैं, जिन्हें अनुच्छेद 370 हटाए जाने के दौरान नजरबंद कर दिया गया था। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाए जाने के बाद निस्संदेह यह एक बड़ी सकारात्मक राष्ट्रीय घटना है। कश्मीरी नेताओं के साथ पीएम मोदी की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे घाटी का राजनीतिक भविष्य तय होगा। जरूरी नहीं है कि एक ही बैठक में अमन-चैन वाले जम्मू-कश्मीर का नया रोडमैप तय हो जाए, बैठकों का दौर जारी रहना चाहिए। इसमें कोई शक की बात ही नहीं कि कश्मीरी नेताओं को नई दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार पर भरोसा है और तभी यह महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो रही है। अब यह केंद्र सरकार के जिम्मे है कि वह घाटी के दिग्गज नेताओं को कैसे विकास और लोकतंत्र की प्रक्रिया में व्यस्त रखती है। यह बातचीत प्रमाण है, नजरबंदी और आतंकवाद के भयानक दौर से हम निकल आए हैं। जम्मू-कश्मीर की स्थिति को बदले करीब दो साल हो चुके हैं और इस बीच कोई ऐसी बड़ी नकारात्मक घटना नहीं हुई है, जिससे लगे कि देश का यह अटूट क्षेत्र गलत दिशा में जा रहा है। कश्मीर के नेता भी अपने देश को लेकर चिंतित हैं। अलगाववाद की राह पर चलने और लोकतंत्र की धारा से अलग रहने पर उन्हें भी नुकसान है, ऐसे में, सब चाहेंगे कि घाटी में राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू हो। यह बहुत अच्छी बात है कि बैठक में पहले केंद्र सरकार ने एक प्रस्तुति के माध्यम से यह बताने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में कैसे विकास कार्य चल रहे हैं। केंद्र सरकार अगर विकास की पहल से भी घाटी के नेताओं को जोड़ सके, तो अच्छा होगा। राजनीतिक स्तर पर फिर से राज्य का दर्जा पाने के लिए तो कश्मीर के नेताओं को केंद्र सरकार के प्रति गंभीरता का प्रदर्शन करना होगा। केंद्र सरकार ने पहले भी संकेत दिए हैं कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटा दिया जाएगा। अगर राज्य का दर्जा लौटाने के आग्रह के साथ घाटी के नेता नई दिल्ली आए हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन अगर उनकी मंशा पड़ोसी मुल्क को भी वार्ता में शामिल करने पर ज्यादा होगी, तो इससे कोई फायदा नहीं होगा। ध्यान रखना होगा कि संवाद की राह काफी समय बाद प्रशस्त हुई है, अतः इसे अगंभीर, हल्की या किसी उग्र टिप्पणी से आहत नहीं होने देना चाहिए। आने वाले समय में ऐसी बैठकों का विस्तार हो, ज्यादा से ज्यादा संबंधित दलों-पक्षों को साथ लिया जाए और शांति-विकास की पहल हो, इसी में देशहित है।

वैक्सीनेशन सबसे सशक्त माध्यम

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

यह सही है कि योग का लाभ एक दिन में नहीं मिलता। इसे दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। फिर भी योग दिवस स्वस्थ्य जीवन का सन्देश अवश्य देता है। शायद यही कारण था कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश में वैक्सिनेशन का कीर्तिमान स्थापित हुआ। सरकार की गाइडलाइन भी सार्थक प्रमाणित हुई। योग दिवस पर लगभग इक्यासी लाख लोगों ने वैक्सीन लगवाई। जबकि भारत में वैक्सिनेशे की शुरुआत नकारात्मक राजनीति के साथ हुई थी। देश के अनेक जिम्मेदार नेताओं ने वैक्सीन को लेकर अनावश्यक सवाल व आशंकाएं व्यक्त की थी। इनके बयानों से निराशा व भ्रम का माहौल बना। जाहिर है कि ऐसे नेताओं ने देश व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं किया। अच्छा यह रहा कि प्रारंभिक आशंकाओं के बाद लोगों में जागरूकता आई। वे वैक्सिनेशन के प्रति प्रेरित हुए। वैक्सीन पर तो पहले दिन से ही जमकर नकारात्मक राजनीति हुई। इसके बाद भी आमजन इससे भ्रमित नहीं हुआ। देश में अट्ठाइस करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज दी जा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वैज्ञानिक बहुत ही कम समय में वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर लेंगे। अप्रैल में जब कोरोना के कुछ हजार केस थे, तभी केंद्र ने वैक्सीन टास्क फोर्स का गठन कर दिया था। भारत के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों को हर तरह से सपोर्ट किया गया। वैक्सीन निर्माताओं को क्लीनिकल ट्रायल में मदद की गई। रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए जरूरी फंड दिया गया। आत्मनिर्भर पैकेज के तहत मिशन कोविड सुरक्षा के जरिए हजारों करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए। वैक्सीन आई तो शंकाओं आशंकाओं को बढ़ाया गया। जब से भारत में वैक्सीन पर काम शुरू हुआ, तभी से कुछ लोगों ने ऐसी बातें कहीं जिससे आम लोगों के मन में शंका पैदा हुई। कोशिश ये भी हुई कि वैक्सीन निर्माताओं का हौसला पस्त हो, बाधाएं आईं। भांति-भांति के तर्क प्रचारित किए गए। वैक्सीन को लेकर आशंका और अफवाहें फैलाई गयी। अब देश इन बातों से आगे बढ़ गया है। वैक्सीनेशन को तेज गति से संचालित किया जा रहा है। कोविड वैक्सीनेशन की नई संशोधित गाइडलाइन लागू होने के पहले दिन ही रिकॉर्ड बना है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दिन से टीकाकरण की गति को तेज कर दिया गया है। केंद्र सरकार वैक्सीनेशन उत्पादन में से पचहत्तर प्रतिशत हिस्सा खरीद रही है जबकि पच्चीस प्रतिशत टीका प्राइवेट अस्पताल खरीद सकेंगे। भारत में चल रहे दुनिया के सबसे बड़े कोरोना वैक्सिनेशन को लेकर जागरुकता लाने के लिए शुरू किये गए- जान है तो जहान है -अभियान का भी शुभारंभ किया गया। हज कमेटियां, वक्फ बोर्ड, वक्फ से जुड़े शैक्षणिक संस्थान, केंद्रीय वक्फ काउंसिल, मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की नई रोशनी योजना के अंतर्गत कार्यरत महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप एवं स्वयं सहायता समूह शामिल हैं। सरकार और समाज ने सावधानी, संवेदनशीलता,संयम के संकल्प के साथ इस कोरोना महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में वैक्सीनेशन का ग्राफ बढ़ने का विश्वास व्यक्त किया। केंद्र सरकार ने पैंतालीस वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पहले ही निःशुल्क वैक्सीन की सुविधा उपलब्ध करायी थी। अठारह वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध हो रही है। योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। कहा कि इसमें उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक लाभ होगा। क्योंकि प्रदेश में अठारह वर्ष से ऊपर के सोलह करोड़ लोगों को वैक्सीन से आच्छादित करना है। उत्तर प्रदेश में छिहत्तर सौ केंद्रों पर वैक्सिनेशन कार्य का शुभारंभ हुआ। इसके पहले उत्तर प्रदेश में स्ट्रीट वेण्डर्स के लिए निःशुल्क कोरोना वैक्सीनेशन अभियान प्रारम्भ किया गया था। इनमें स्ट्रीट वेण्डर्स, पटरी दुकानदार, ठेला, खोमचा, रेहड़ी आदि के लिए स्पेशल बूथ बनाये गये थे। योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अपील की कि वैक्सीन लेने के बाद भी सावधानियां बरतें तथा दो गज की दूरी मास्क है जरूरी मंत्र का पालन अवश्य करें। वैक्सीन लेने से घबराने की आवश्यकता नहीं है। लोग किसी भी भ्रम या अफवाह पर ध्यान न दें। वैक्सीन ही एकमात्र सुरक्षा कवच है। सभी नागरिकों को सुरक्षा कवच देने के लिए वैक्सीनेशन सबसे सशक्त माध्यम है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से प्रदेश में वृहद पैमाने पर अठारह वर्ष से अधिक आयु के लोगों को निःशुल्क कोविड वैक्सीनेशन कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि इस वर्ष दिसम्बर तक अठारह वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक नागरिक को पूरी तरह वैक्सीनेट करते हुए सुरक्षा कवच प्रदान किया जाए। वैक्सीनेशन कार्य में तीव्रता लाने एवं लोगों को वैक्सीनेशन की सर्वसुलभता हेतु विभिन्न समूहों पर फोकस करते हुए कार्यक्रम बनाये गये हैं। प्रदेश सरकार द्वारा अभिभावक स्पेशल बूथ पर बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के अभिभावकों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी प्रकार जूडीशियरी तथा मीडिया के लिए अलग बूथ तथा शिक्षक एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए अलग बूथों पर वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। वैक्सीनेशन के पहले चरण में सभी हेल्थ वर्कर्रों को वैक्सीन देने का कार्य किया गया। द्वितीय चरण में एक फरवरी से कोरोना वारियर्स का प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीनेशन कराया गया। तृतीय चरण में साठ वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लोगों को निःशुल्क कोविड वैक्सीन की सुविधा प्रदान की गयी। इसके पश्चात चौथे चरण में पैंतालीस वर्ष से अधिक के आयु के लोगों के लिए कोविड वैक्सीनेशन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एक मई से अठारह से पैंतालीस वर्ष के आयुवर्ग के लिए निःशुल्क वैक्सीन राज्य सरकार उपलब्ध करवा रही थी। 21 जून से भारत सरकार इस आयु वर्ग के लिए निःशुल्क कोविड वैक्सीनेशन की सुविधा उपलब्ध करा रही है।

प्रदेश में आज से छह लाख लोगों का प्रतिदिन कोरोना वैक्सीनेशन किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। जुलाई के प्रथम सप्ताह से दस लाख से बारह लाख वैक्सीन प्रतिदिन देने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में कोरोना टीकाकरण के प्रति जागरुकता लाने एवं कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा कोरोना वैक्सीन पर फैलाई जा रही आशंकाओं अफवाहों को रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'आज के ट्वीट

योग्यता

योग्यता के आधार पर नौकरी मिलने लग जाएं तो, राफेल जैसे जहाज और जापान जैसी बुलेट ट्रेन भारत में भी बनने लग जाएगी।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

अज्ञानता

जग्गी वासुदेव

बुराई न तो एक गुण है और न ही यह एक कार्य है, बल्कि यह तो अज्ञानता का परिणाम है। इसे कई तरह से समझाया गया है। आपने यह जरूर सुना होगा, 'वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।' जहां अज्ञानता होती है, वहां बुराई का होना स्वाभाविक है- चाहे उसे बुराई के रूप में पहचाना जाए या नहीं। सबसे भयंकर चीजें इसलिए नहीं होतीं क्योंकि कोई व्यक्ति बुरा है, बल्कि इसलिए होती हैं क्योंकि वह अज्ञानी है। कोई व्यक्ति यदि कुछ भयंकर चीज कर रहा है तो उस पर बुराई का ठप्पा लगता है या नहीं, यह बस संख्याओं और ताकत का सवाल है। यह इस पर निर्भर करता है कि आपके साथ कितने लोग हैं। अगर किसी बुरे काम में आपके साथ पूरा शहर आ जाता है, तो वह एक सही चीज बन जाएगी। आज, हम उन 'सही चीजों' के साथ कोई लेना-देना नहीं रखना चाहते, जो अतीत में लोगों ने की हैं, क्योंकि वे बहुत भयंकर चीजें थीं। आज सबसे बुरा आदमी भी वह कार्य नहीं करता है जो पहले के 'अच्छे लोगों' ने किए हैं। और आज भी चीजों में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। बुराई कभी नहीं जाती। यह जा भी नहीं सकती क्योंकि यह न तो एक गुण है और न ही यह एक कार्य है, यह तो 'जानने' की गैरमौजूदगी है। अगर कोई चीज मौजूद है तो हम उसे नष्ट कर सकते हैं, लेकिन गैर-मौजूदगी नहीं जा सकती-आप अंधकार को नष्ट नहीं कर सकते, आपको बस प्रकाश को लाना होगा। इसी तरह से, आप बुराई को नष्ट नहीं कर सकते, आपको बस 'जानना' और जागरूकता को लाना होगा। बुराई अपना रूप, चेहरा और दिशा बदल लेती है लेकिन सौभाग्य से, अज्ञानता का केवल एक ही रूप है, तो इससे आसानी से निपटा जा सकता है। अज्ञानता से निपटने के लिए हमें अस्तित्व को जानना होगा। अस्तित्व को जानने के लिए, पहले हमें यह समझना होगा कि आपका मन और शरीर, इस दुनिया और इसके लोगों के द्वारा बनाए गए हैं। आपकी मूल प्रकृति आपके अनुभव में नहीं है क्योंकि वह मन के दूसरी तरफ है। एक तरह से, आपका मन एक आईने की तरह है। हो सकता है कि यह विकृत हो, लेकिन फिर भी यह एक आईना ही है। आप दुनिया को इसलिए देखते हैं क्योंकि यह आपके मन रूपी आईने में प्रतिबिंबित होती है। लेकिन मन कभी 'स्वयं' को इस आईने में नहीं दिखाता।

बंगाल की घटनायें लोकतंत्र पर आघात, आपातकाल का आभाष है

(लेखक-कैलाश सोनी)

जहां एक ओर कोविड-19 वायरस वैश्विक महामारी के कारण हमारा देश संकट के गंभीर दौर से गुजर रहा है, वहीं दूसरी ओर बंगाल हिंसा के कारण लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं, आपातकाल समर्थकों के द्वारा कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये वैक्सीन के विरूद्ध प्रोपेगैंडा ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है, लेकिन संतोष की बात है कि देश इस समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट है, ऐसे में आपातकाल योद्धाओं का कर्तव्य है कि वे देश विरोधी प्रोपेगैंडा करने वालों को बेनकाब कर इस विषय में जनजागरण करने का संकल्प लें, यह देश और समय की आवश्यकता है। हम भारतवासी सदैव से ही स्वतंत्रता के प्रेमी और उपासक हैं, इसलिये जब-जब भी हमारी स्वाधीनता को अपहत करने के प्रयत्न हुए, हमने उसका प्रतिकार किया है, अनेकबार विदेशी शक्तियों ने हमें पराधीन बनाने की कोशिश की, किन्तु हमारे पूर्वजों ने उनके विरूद्ध सतत संघर्ष किया और अंततः विजयी हुए। लोकतंत्र का आधार समाज हित में सभी के रचनात्मक विचारों का सम्मान एवं उनका समावेश है। राजनीति मानव के सभी कार्य व्यापार का विज्ञान है। केवल हम ही श्रेष्ठ हैं, हमें ही व्यवस्था संचालन का अधिकार है। यही हमें तानाशाही की ओर प्रवृत्त करता है। मतभिन्नता ही लोकशाही का मूल आधार है। मतभिन्नता के आधार पर हत्या का उपक्रम आतंकवाद पर ठहरता है। हिंसा का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है, न इसकी भारतीय संविधान में कोई अनुमति है। स्वतंत्रता की महिमा से मंडित हमारे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में हमारी आजादी के हरण का एक काला अध्याय दर्ज है, किन्तु उसके साथ ही दूसरी आजादी की हमारी संघर्ष गाथा भी जुड़ी है। वह हमारे आजादी से जीने के संस्कार का एक ज्वलित उदाहरण है। परंतु वर्तमान की नई पीढ़ी को लोकतंत्र पर आयी इस अमावस्या की शायद ही कोई जानकारी होगी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में 25 जून 1975 में एक ऐंसा भी अवसर आया, जब एक सत्तासीन व्यक्ति ने जिनका उनके भ्रष्टाचार के कारण चुनाव परिणाम इलाहाबाद हाईकोर्ट से रद्द कर दिया गया, अपनी सत्ता पिपासा को पूरा करने के लिये देशवासियों के सारे लोकतांत्रिक अधिकारों को तथा सारी संवैधानिक मर्यादाओं को समाप्त कर संपूर्ण देश को आपातकाल की बेड़ी में जकड़ दिया। आपातकाल लगाने के लिये आवश्यक सारे संवैधानिक प्रावधानों को दरकिनार करके यह घोषणा की गई थी। प्रावधानों के तहत आधे से अधिक प्रांत जब मांग करें नोट भेंजे कि कानून व्यवस्था संकट में है और केन्द्रीय केबिनेट सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करें, तब आपातकाल लगता है। कोई अपील नहीं, कोई न्यायिक व्यवस्था नहीं, न्यायालयों के सारे अधिकार समाप्त कर दिये गये और लाखों निरापराध लोगों की धड़ाधड़ गिरफतारी हुई तथा लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित सभी विरोधी दलें के नेता जिसमें अटल बिहारी बाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जार्ज फर्नांडीस कांग्रेस के कुछ नेता 250 से अधिक पत्रकार जेलों में डाल दिये गये। निरापराध नागरिकों के साथ हिंसा का ऐंसा तांडव देश ने पहले कभी नहीं देखा था। न्यायपालिका समाप्त कर दी गई, सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों को सुपर सीड करके अपने चुनाव को वैध करा लिया गया, संपूर्ण देश में हाहाकार, जेल के भीतर भी अकेले मध्यप्रदेश में 100 से अधिक लोकतंत्र सेनानियों की असमय मृत्यु हुई। 1,10,806 राजनैतिक और सामाजिक नागरिकों को मीसा/डीआईआर ने बिना मुकदमा चलाये जेलों में निरूद्ध किया गया, द.प्र.सं. की धारा 151 की संख्या कई लाखों में जिसकी गणना नहीं विश्वास रखने वाले सभी के लिये आवश्यक है, नई पीढ़ी को भी इसे जानने की जरूरत है जिसकी प्रेरणा से भविष्य में लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखा जा सके। देश हित में यह बहुत आवश्यक है, ताकि अभिव्यक्ति की आजादी फिर कभी बाधित न हो पाये। लोकतंत्र पर आघात की कोई हिम्मत न कर सके। 25 एवं 26 जून 2006 को करेली में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था, जिसमें मध्यप्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ के कुछ लोकतंत्र सेनानी शामिल हुये, तब लोकतंत्र सेनानी संघ को एक राज्य स्तरीय संगठन बना लिया गया था। 26 जून 2015 को भोपाल में आयोजित सम्मेलन में इसे अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान किया गया। आज इस संगठन का परिपूर्ण आकार सभी के सामने है वह इसके केन्द्रीय पदाधिकारियों के निरंतर प्रवास और प्रयास का परिणाम है। आज कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कामरूप तक के लोकतंत्र सेनानी संगठन हो चुके हैं। लगभग सभी वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आ चुके इन सेनानियें के उत्साह में आज ही कोई कमी नहीं आई है। देशहित में कुछ भी कर गुजरने को आज भी ये सभी तत्पर हैं, इसलिये संपर्क होते ही हर प्रांत में प्रांतीय संगठन खड़ा हो गया, जिनके प्रांतीय सम्मेलन भी आयोजित हो रहे हैं। इन सेनानियों के त्याग और तपस्या को सम्मानित करने का अर्थ अपने गौरवशाली इतिहास को सम्मानित करना है, जो लोग इतिहास को भुलाने के लिये आमादा थे उन्हें आज संपूर्ण देश नकार चुका है जिन्होने इसके महत्व को समझा, ऐंसे कई प्रांत के माननीय मुख्यमंत्रीगण लोकतंत्र सेनानियें को मान-धन सहित चिकित्सा, यातायात आदि की सुविधा मुहैया करके लोकतंत्र के प्रति अपने श्रद्धाभाव का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। पिछले 2 वर्षों में हमारे संगठन के प्रयास और संबंधित सरकारों के समर्थन से जिन प्रांतों में यह योजना पहली बार लागू हुई है, असम, उड़ीसा और कर्नाटक में इसे लागू करने के लिये आश्वासन मिल चुका है, आवश्यक प्रक्रिया से गुजरने के बाद घोषणा होने की संभावना है। जहां एक ओर राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र इन तीनों राज्यों में कांग्रेस ने सत्ता में आते ही सबसे पहला हमला लोकतंत्र सेनानियों पर बोला, वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश में हमारे महानायक श्री शिवराज सिंह जी ने मुख्यमंत्री बनते ही समस्त सम्मान बहाल कर दिया, यह फर्क है कांगेस और भाजपा की राज्य सराकारों में मुख्यमंत्री जी को साधुवाद। बंगाल में सत्तारूढ़ दल के इशारे पर सुनियोजित तरीके से 208 लोकतंत्र सेनानी राजनैतिक कार्यकर्ताओं की हत्या की जा चुकी है, 107 महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ दुष्कर्म और 22000 कार्यकर्ताओं के मकान जला दिये गये हैं। बंगाल में हिंसा का नंगा नाच हो रहा है। इसलिये विनम्र प्रार्थना है कि बंगाल हिंसा की जांच कराने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय स्वयमेव संज्ञान ले तथा केन्द्र सरकार के द्वारा बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर लोकतंत्र के रक्षण की पहल समयोचित होगा। आपातकाल की समाप्ति के पश्चात आई तत्कालीन केन्द्र सरकार ने यह अनुभव किया था कि यह देश का दूसरा स्वतंत्रता संग्राम है जिसने देश के लोकतंत्र को उसकी बेड़ियां तोड़कर कारागार से मुक्त किया। इस गौरवशाली संघर्ष की महिमा को भावी पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करने की उनकी मंशा जरूर रही होगी, क्योंकि वे स्वयं इसके सेनापति व मार्गदर्शक थे। परंतु दुर्भाग्य से वे अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाये। आज इतने वर्षों के बाद उसी संघर्ष से निकले लोकतंत्र सेनानी अच्छी संख्या में केन्द्र में सतासीन हैं। हमें उम्मीद थी कि सरकार आते ही स्वयं इस पर अवश्य ध्यान देगी। लेकिन ऐंसा नहीं हो सका, जनता जनार्दन के आशीर्वाद से केन्द्र में माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत से पुनः सरकार बनी है, इसमें देश के लोकतंत्र सेनानियों की भी महती भूमिका रही है, हम आशान्वित हैं।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रातः पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।'
अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दुःख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

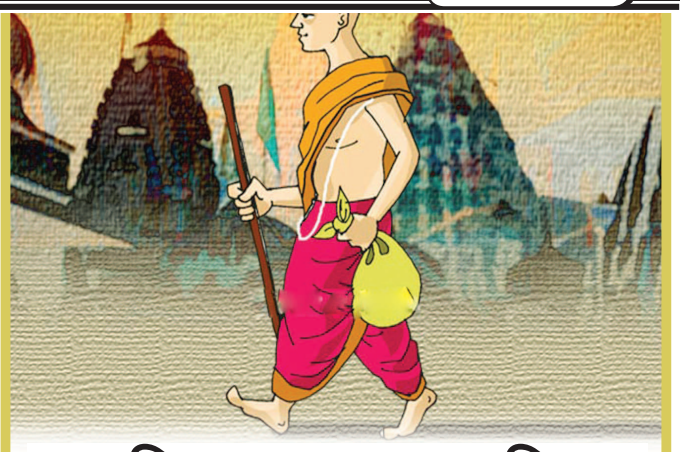

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?
- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

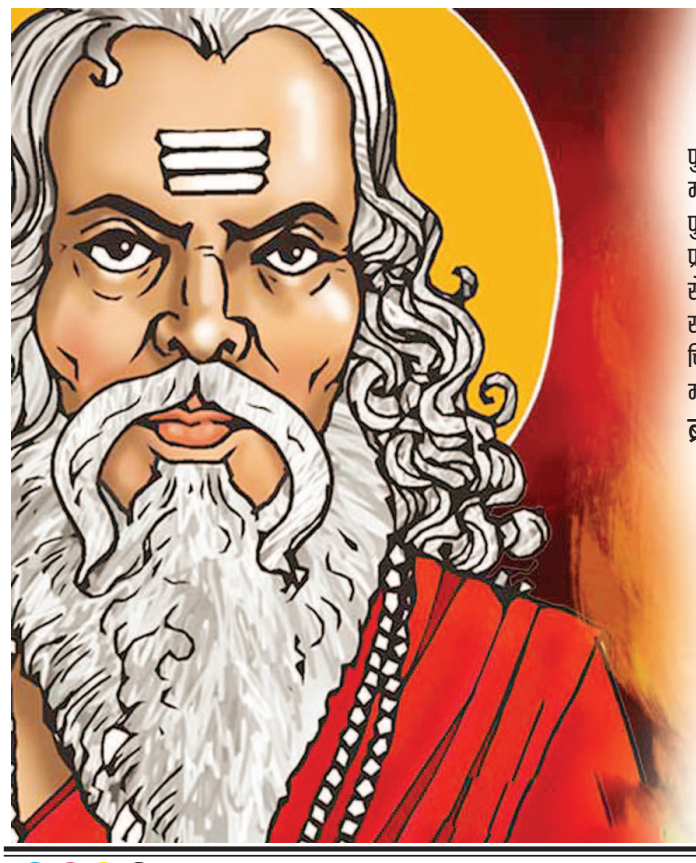

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :
- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

मई में भारत का सोने का आयात बढ़ा, चांदी के आयात में गिरावट

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मई में 679.16 मिलियन डॉलर (4,976.07 करोड़ रुपये) के सोने का आयात किया गया। यह देशव्यापी लॉकडाउन के बीच पिछले साल मई में आयातित 76.31 मिलियन डॉलर मूल्य के सोने से कई गुना ज्यादा है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 22 की अप्रैल-मई अवधि के लिए, पीली धातु का आयात 6.91 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 79.14 मिलियन डॉलर मूल्य के सोने के मुकाबले था। हालांकि मांग में सुधार के साथ सोने के आयात में सुधार हुआ है, दूसरी ओर चांदी के आयात में कमी आई है। पिछले महीने 15.66 मिलियन डॉलर की चांदी का आयात किया गया, जो साल-दर-साल आधार पर 95.3 प्रतिशत कम है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 22 में अब तक 27.56 मिलियन डॉलर मूल्य की चांदी का आयात किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान हुए आयात से लगभग 94 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, साल-दर-साल आधार पर मौजूदा वित्तीय वर्ष के अप्रैल-मई की अवधि के दौरान भारत से रत्न और आभूषण का निर्यात कई गुना बढ़कर 6.34 बिलियन डॉलर हो गया। मई में, रत्न और आभूषण निर्यात मई वित्त वर्ष 21 में 1.06 बिलियन डॉलर से बढ़कर लगभग 3 बिलियन डॉलर हो गया।

गुड़गांव मेट्रो परियोजना - कंपनी को हरियाणा सरकार से मिले 1,925 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल एंड एफएस) को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) से गुड़गांव मेट्रो प्रोजेक्ट मामले में अंतरिम टर्मिनेशन भुगतान के रूप में 1,925 करोड़ रुपये मिले हैं। एस्क्रो खातों में विधिवत प्राप्त यह भुगतान 26 मार्च, 2021 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आता है, जिसके तहत गुड़गांव मेट्रो प्रोजेक्ट में आईएल एंड एफएस के पक्ष में फैसला सुनाया गया था उक्त एस्क्रो खातों से किसी भी राशि का विनियोग आदेश के अनुसार एनसीएलएटी या किसी अन्य सक्षम कानूनी प्राधिकारी के आगे के आदेशों के अधीन होगा, जिसका आईएल एंड एफएस द्वारा विधिवत अनुपालन किया जाएगा। फैसले के हिस्से के रूप में सुप्रीम कोर्ट ने एचएसवीपी को दो एसपीवी के एस्क्रो खातों में तीन महीने के भीतर कुल देय राशि (कैग द्वारा किए गए 2,400 करोड़ रुपये से अधिक के आधार पर ऑडिट) का 80 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया था, जो कि 1,925 करोड़ रुपये है। आरएमजीएल में आंध्रा बैंक अन्य पीएनबी, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और देना बैंक (वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा) के साथ अग्रणी बैंक है। आरएमजीएसएल में केनरा बैंक अन्य बैंकों जैसे कि आंध्रा बैंक, कॉर्पोरेशन बैंक (वर्तमान में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया), पंजाब एंड सिंध बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और आईआईएफसी (यूके) लिमिटेड के साथ अग्रणी बैंक है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 26 मार्च, 2021 को सुप्रीम कोर्ट का फैसला, उसके बाद एचएसवीपी के आदेश का अनुपालन और आईएल एंड एफएस समूह की संस्थाओं को देय राशि का हस्तांतरण, भारतीय बुनियादी ढांचा क्षेत्र में हितधारकों और ऋणदाताओं के हितों की रक्षा करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। प्रवक्ता ने कहा कि यह निर्णय अन्य परियोजनाओं के लिए भी एक मिसाल कायम करेगा, जिसमें आईएल एंड एफएस सहित बुनियादी ढांचा कंपनियां अपने वैध बकाये का भुगतान और विभिन्न राज्य सरकारों के साथ वैध अनुबंधों और रियायत समझौतों को लागू करने की मांग कर रही हैं।

एफपीआई ने जून में भारतीय बाजारों में 12,714 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 12,714 करोड़ रुपए डाले हैं। इससे पिछले दो माह के दौरान वे शुद्ध बिकवाल बने रहे थे। मई में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 2,666 करोड़ रुपए और अप्रैल में 9,435 करोड़ रुपए निकाले थे। डिपॉजिटरी सेवा कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, एक से 25 जून के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 15,282 करोड़ रुपए डाले। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार से 2,568 करोड़ रुपए निकाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 12,714 करोड़ रुपए रहा। बजाज कैपिटल के संयुक्त चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव बजाज ने कहा कि जून में भारतीय बाजारों में प्रवाह अनुकूल वैश्विक संकेतकों तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में सुधार की वजह से बढ़ा है। कोविड-19 के मामलों में कमी के बीच अंकुशों में ढील दी गई है तथा टीकाकरण की रफ्तार भी बढ़ी है।

कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी तकनीकी अनुसंधान) श्रीकान्त चौहान ने कहा कि कुल मिलाकर इस सप्ताह एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स करीब 1.49 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस महीने आज की तारीख तक भारत और इंडोनेशिया को छोड़कर अन्य उभरते तथा एशियाई बाजारों से एफपीआई ने निकासी की है।

वैश्विक आर्थिक सुधार भारत के लिए सकारात्मक : ईवाई

नई दिल्ली। कंसल्टेंसी फर्म ईवाई का कहना है कि मौजूदा दौर में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए वैश्विक आर्थिक सुधार सकारात्मक है। अपनी आर्थिक पल्स रिपोर्ट में, कंसल्टेंसी फर्म ने कहा, भारत के निर्यात ने अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखा है। भारत के माल का कुल निर्यात मई 2020 में 59 प्रतिशत बढ़ा है और अप्रैल 2020 की तुलना में स्थिर रहा है। कोविड की दूसरी लहर के कारण भारत में सेवाओं का निर्यात अप्रैल में प्रभावित हुआ, और मई में केवल मामूली वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, सेवा निर्यात अभी भी मई 2020 की तुलना में 6 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, अप्रैल 2021 की तुलना में मई में भारत के गैर-तेल सामानों के कुल आयात में 17 प्रतिशत की कमी आई है। यह घरेलू बाजार में सुस्त मांग को दर्शाता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संदर्भ में आई रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2021 में उर्वरक बिक्री में अप्रैल 2020 की तुलना में गिरावट आई है। इसके अलावा, अप्रैल और मई 2021 में ट्रैक्टर की बिक्री में भारी गिरावट आई है। इससे कोविड-19 का संक्रमण फैलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने का जोखिम उजागर होता है।

आरबीआई को मल्टीमीडिया जन-जागरूकता अभियान के लिए विज्ञापन एजेंसी की तलाश

मुंबई

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) अपने नियमों के बारे में सर्व-सामान्य को उनकी अपनी भाषा में जागरूक करने का अभियान तेज करने के लिए ऐसी कंपनी की तलाश कर रहा है, जो 14 भाषाओं में उसके लिए मल्टीमीडिया (विभिन्न माध्यमों लायक) प्रचार सामग्री तैयार कर सके। आरबीआई का यह अभियान अंग्रेजी के अलावा हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषा में चलाया जाएगा। आरबीआई के एक दस्तावेज के अनुसार इस अभियान में जन संचार के परम्परागत और नए , हर प्रकार के माध्यम का उपयोग किया जाएगा। इसमें समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन चैनलों और सिनेमा हॉल के अलावा अभियान में डिजिटल मीडिया, वेब पोर्टल और सोशल मीडिया को भी शामिल किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने जागरूकता अभियान की रचनात्मक रुप-रेखा तैयार करने के लिए विज्ञापन एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए है। आरबीआई के अनुसार जन जागरूकता अभियान पूर्ण मल्टीमीडिया, बहुभाषी, अखिल भारतीय स्तर के होंगे। जिनका उद्देश्य देशभर में लोगों को आरबीआई के नियमों और अन्य पहलों के बारे में सामान्य जागरूकता पैदा करना है। केंद्रीय बैंक 'आरबीआई कहता है' नाम से एक मीडिया अभियान भी चलाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को उसके विनियमों के बारे में जानकारी देना और बैंकों में ग्राहक सेवा की गुणवत्ता को बढ़ाना है।

सेंसेक्स की टॉप-10 में से 6 कंपनियों का मार्केट कैप 1.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

बिजनेस डेस्क:

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,11,220.5 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक तथा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन घट गया। बीते सप्ताह टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 30,961.06 करोड़ रुपए बढ़कर 12,50,538.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 29,807.59 करोड़ रुपए बढ़कर 6,70,915.93 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 19,838.88 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 8,36,426.69 करोड़ रुपए पर और एसबीआई की 14,234.76 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,82,642.72 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 12,775.99 करोड़ रुपए बढ़कर 4,49,166.77 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 3,602.22 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,52,778.40 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 76,548.77 करोड़ रुपए घटकर 13,34,009.02 करोड़ रुपए पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,424.7 करोड़ रुपए घटकर 5,75,449.55 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का 5,084.82 की गिरावट के साथ 3,43,934.41 करोड़ रुपए पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 763.55 करोड़ रुपए घटकर 3,66,662.44 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 580.59 अंक या 1.10 प्रतिशत के लाभ में रहा।

वृहद आर्थिक आंकड़ों, टीकाकरण की रफ्तार, वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई:

घरेलू शेयर बाजार गिरावट से उबरते हुए बीते सप्ताह नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख बहुत हद तक विदेशी बाजारों से प्रभावित रहने की संभावना है। साथ ही घरेलू स्तर पर कोविड-19 की स्थिति का असर भी बाजार पर दिखेगा। बीएसई का सेंसेक्स 580.59 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताहांत पर शुक्रवार को 52,925.04 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान बुधवार को छोड़कर शेष चार दिन बाजार में बढ़त रही। मंगलवार को बीच कारोबार में यह पहली बार 53 हजार अंक को पार करता हुआ 53,057.11 अंक के शिखर को छूने में भी कामयाब रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में सोमवार और बुधवार को गिरावट रही। अन्य तीन दिन यह बढ़त में बंद हुआ। पूरे सप्ताह के दौरान 177 अंक यानी 1.13 अंक चढ़कर शुक्रवार को यह 15,860.35 अंक पर बंद हुआ। घरेलू स्तर पर इस सप्ताह बुनियादी आठ उद्योग क्षेत्रों के आंकड़े आने हैं। इसके अलावा विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े भी जारी होने हैं। निवेशकों की नजर कोविड-19 के मामलों पर भी होगी। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों का विश्वास अधिक रहा। बीएसई का मिडकैप 311.44 अंक यानी 1.40 प्रतिशत चढ़कर सप्ताहांत पर 22,549.65 अंक पर और स्मॉलकैप 347.40 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,996.23 अंक पर पहुंच गया। दोनों सूचकांक बुधवार और गुरुवार को छोड़कर शेष तीन दिन बढ़त में रहे। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयरों में तेजी और शेष आठ में गिरावट रही। वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी का शेयर सर्वाधिक 9.84 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। अन्य वाहन निर्माता कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 1.56 फीसदी और बजाज ऑटो का 0.75 फीसदी चढ़ा। सेंसेक्स में पिछले सप्ताह दुबारा शामिल होने वाली टाटा स्टील का शेयर 6.75 प्रतिशत मजबूत हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सेंसेक्स में सबसे अधिक 5.43 प्रतिशत का नुकसान उठाया। आईटी एवं टेक क्षेत्र की इंफोसिस का शेयर 4.65 प्रतिशत, टीसीएस का 2.54 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.08 प्रतिशत और टेक महिंद्रा का 1.73 प्रतिशत मजबूत हुआ। बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में बजाज फाइनेंस में 4.09 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक में 3.86 फीसदी, एक्सिस बैंक में 3.37 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 2.92 फीसदी, एचडीएफसी बैंक में 2.32 फीसदी, इंडसइंड बैंक में 1.79 फीसदी और एचडीएफसी में 0.80 फीसदी की तेजी रही जबकि कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 1.46 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस का 0.21 प्रतिशत लुढ़क गया। दवा कंपनियों में सनफार्मा का शेयर 0.57 प्रतिशत और डॉ. रेड्डीज लैब का 0.51 प्रतिशत चढ़ा। एफएमसीजी कंपनियों में मिश्रित रुख रहा। हिंदुस्तान यूनिलिवर में 1.27 फीसदी और नेस्ले इंडिया में एक फीसदी की गिरावट रही जबकि आईटीसी का शेयर 0.22 प्रतिशत मजबूत हुआ। अन्य कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट 3.41 प्रतिशत, एलएंडटी 3.21 प्रतिशत, टाइटन 2.72 प्रतिशत और एनटीपीसी 2.20 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में बंद हुआ। एशियन पेंट्स का शेयर 1.52 फीसदी, पावरग्रिड का 0.92 प्रतिशत और भारती एयरटेल का 0.72 फीसदी लुढ़क गया।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 478 परियोजनाओं की लागत 4.4 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

नई दिल्ली:

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 478 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मई-2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,768 परियोजनाओं में से 478 की लागत बढ़ी है, जबकि 525 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''इन 1,768 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 22,86,955.18 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 27,27,220.47 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.25 प्रतिशत या 4,40,265.29 करोड़ रुपए बढ़ी है।'' रिपोर्ट के अनुसार, मई-2021 तक इन परियोजनाओं पर 13,30,533.53 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 48.79 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 387 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 995 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 525 परियोजनाओं में 100 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 182 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की तथा 119 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 525 परियोजनाओं की देरी का औसत 46.36 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण व वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी तथा बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख हैं।

भारत सरकार से वसूली को एयर इंडिया के बाद कई और सरकारी कंपनियां केयर्न के निशाने पर

बिजनेस डेस्क:

भारत सरकार से अपने बकाया की वसूली के लिए ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी पीएलसी की निगाह अब एयर इंडिया के बाद अमेरिका से लेकर सिंगापुर तक सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य कंपनियों तथा बैंकों की संपत्तियों पर है। पिछली तारीख से कर मामले में मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने केयर्न के पक्ष में फैसला दिया है, जिसके बाद उसे भारत सरकार से वसूली करनी है। कंपनी के एक अधिवक्ता ने कहा कि केयर्न कई देशों में मुकदमा दायर करेगी, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को भारत सरकार पर बकाया 1.2 अरब डॉलर के साथ ब्याज और जुर्माने के भुगतान के लिए 'जिम्मेदार' बनाया जा सके।

पिछले महीने केयर्न ने न्यायॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत में मुकदमा दायर किया था। केयर्न ने कहा था कि एयर इंडिया पर भारत सरकार का नियंत्रण है। ऐसे में एयरलाइन पर पंचनिर्णय के तहत भुगतान का दायित्व बनता है।

कंपनी का प्रतिनिधित्व कर रही विधि कंपनी क्विन इमैनुअल उर्कहार्ट एंड सुलिवन के सॉवरेन लिटिगेशन प्रैक्टिस प्रमुख डेनिस हर्निटजकी ने कहा, ''कई ऐसे सार्वजनिक उपक्रम हैं जिन पर हम प्रवर्तक कार्रवाई का विचार रहे है। प्रवर्तन कार्रवाई जल्द होगी और शायद यह अमेरिका में नहीं हो। तीन सदस्यीय अंतराष्ट्रीय पंचाट ने पिछले साल दिसंबर में एकमत से केयर्न पर भारत सरकार की पिछली तारीख से कर मांग को खारिज कर दिया था। न्यायाधिकरण में भारत की ओर से नियुक्त एक जज भी शामिल थे। न्यायाधिकरण ने सरकार को उसके द्वारा बेचे गए शेयरों, जब्त लाभांश और कर रिफंड को वापस करने का निर्देश दिया था।

चार साल के दौरान पंचनिर्णय प्रक्रिया में शामिल रहने के बावजूद भारत सरकार ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया था और न्यायाधिकरण की सीट-नीदरलैंड की अदालत में इसे चुनौती दी थी।

अपने शेयरधारकों के दबाव के बाद केयर्न विदेशों में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ओर बैंक खातों को जब्त कर इस राशि की वसूली का प्रयास कर रही है। हर्निटजकी ने कहा, ''पंच निर्णय को कई देशों में पंजीकृत किया जाएगा या जल्द मान्य किया जाएगा। अपने अंतरराष्ट्रीय शेयरधारकों का मूल्य निकालने के लिए केयर्न दुनिया भर के देशों में प्रवर्तन की कार्रवाई को तेज करेगी।''

रियलमी नार्जो 30 5जी, और रियलमी नार्जो 30, इनके साथ ही रियलमी स्मार्ट टीवी फुल एचडी 32'' और रियलमी बड्स क्यू2 प्रस्तुत किए गए

5जी इनेबल्ड स्मार्टफोन लॉन्च करने वाले भारत के पहले ब्रांड, रियलमी ने आज अपने नार्जो फैमिली में नए सदस्य - रियलमी नार्जो 30 5जी और रियलमी नार्जो 30 लॉन्च किए। इनके साथ रियलमी स्मार्ट टीवी फुल एचडी 32'' और रियलमी बड्स क्यू2 भी लॉन्च किए गए। रियलमी नार्जो 30 5जी सबसे किफायती 6जीबी 5जी स्मार्टफोन है एवं रियलमी नार्जो 30 एक शक्तिशाली जी95 है। ये स्मार्टफोन अब तक के सबसे उत्तम मूल्यों में प्रस्तुत किए गए हैं। ये यूज़र्स को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस के साथ 5जी फेंस एवं युवाओं का उत्साह बढ़ाएंगे। जहां रियलमी स्मार्ट टीवी फुल एचडी 32'' यूजर्स को व्यूइंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करती है, वहीं ऑल न्यू रियलमी बड्स क्यू2 में एक्टिव न्वाईज़ कैंसेलेशन है, जो यूज़र्स को बिना किसी भटकाव के संगीत या काम में डूबने में समर्थ बनाता है।

लॉन्च के अवसर पर श्री माधव शेठ, वाईस प्रेसिडेंट, रियलमी एवं चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर, रियलमी इंडिया एवं यूरोप ने कहा, ''हमें रियलमी की अत्यधिक उन्नत अभिनवताओं के आधार पर प्रौद्योगिकी की दृष्टि से उन्नत चार नए उत्पाद लॉन्च करने की खुशी है। इनका उद्देश्य हमारे ग्राहकों को गहन अनुभव प्रदान करना है, जो विभिन्न लाईफस्टाईल सेगमेंट्स में अद्वितीय एवं उन्नत उत्पाद चाहते हैं। रियलमी नार्जो 30 5जी एवं रियलमी नार्जो 30 द्वारा यूज़र्स, खासकर युवा गेमर्स पीक परफॉर्मेंस का आनंद ले सकेंगे। नए स्मार्ट टीवी फुल एचडी 32'' के साथ यूज़र्स को ट्रू सिनेमेटिक व्यूइंग अनुभव एवं सर्वश्रेष्ठ ऑडियो और विज़्युअल क्वालिटी किफायती दामों में मिलेंगे। साथ ही, रियलमी बड्स क्यू2 के लॉन्च के साथ यूज़र्स किफायती मूल्य में एक्टिव न्वाईज़ कैंसेलेशन का अनुभव ले सकेंगे, यह फंक्शन केवल हाई-एंड के फ्लैगशिप इयरबड्स एवं हेडफोंस में देखने को मिलता है। ये उत्पाद यूज़र्स को हाई-परफॉर्मिंग टेक लाईफस्टाईल उत्पाद प्रदान करने की रियलमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं जो वो सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलॉजी के साथ स्मार्ट, फ्री, ट्रेंडसेटिंग एवं कनेक्टेड लाईफस्टाईल प्राप्त करने के लिए चाहते हैं।''

मोबाइल पेमैंट करने वाली बड़ी कंपनियों पर शिकंजा कसेगा चीन

मुंबई।

जैक मा पर शिकंजा कसने के बाद अब चीन की सत्ता पर काबिज कम्युनिस्ट पार्टी ने मोबाइल पेमैंट करवाने वाली बड़ी वित्तीय आई.टी. कंपनियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। चीन आई.टी. कंपनियों पर नियंत्रण के लिए नीति बदलने जा रहा है और नई नीति के तहत बड़ी आई.टी. कंपनियों में सरकार का एक प्रतिनिधि कंपनी के बोर्ड में शामिल` किया जाएगा जो कंपनी की वित्तीय गतिविधियों पर नजर रखेगा। जैक मा पर शिकंजा कसे जाने के बाद चीन की बड़ी आई.टी. कंपनियों जे.डी.डिजिट्स, टेनसेंट, बाइडू और लुफैक्सको भी वित्तीय रूप से नुक्सान हुआ है क्योंकि अब ये कंपनियां भी सीधा सरकार की निगरानी में आ रही हैं और कंपनियों से कहा जा रहा है कि उन्हें अपना वित्तीय ढांचा बदलना पड़ेगा। इसके साथ ही कंपनियों के वित्तीय लेन-देन की निगरानी और कंज्यूमर डाटा पर नजर रखने के लिए कंपनियों में बैंक आफ चाइना के अधिकारियों की नियुक्ति की जा सकती है। दरअसल ऐंट ग्रुप के मालिक जैक मा ने 8 महीने पहले सार्वजनिक मंच पर चीन की सरकार की नीतियों की आलोचना कर दी थी और कहा था कि चीनी वित्तीय संस्थाएं 'कठपुतली दुकानों' जैसी हो गई हैं और उनके पास कोई इनोवेटिव आइडिया नहीं है। जैक मा के इस बयान के बाद चीन ने उन पर शिकंजा कसना शुरू किया और चीनी वित्तीय नियामक आई.पी.ओ. को लॉन्च होने से रोक दिया। इनवैस्टर्स ग्रुप होर्मिंगा सिक्योरिटीज के हांगकांग और शंघाई स्टॉक एक्सचेंजों पर आने वाले आई.पी.ओ. को खरीदने का इंतजार कर रहे थे। यह आई.पी.ओ. करीब 34.4 अरब डॉलर का था। कुछ विश्लेषक इसे पेइचिंग के ऐंट ग्रुप जैसे विशालकाय समूहों और खुद मा की ग्रोथ पर लगाम लगाने की कोशिश के तौर पर देखते हैं।

सीमित ओवरों के लिए रोहित को कप्तान बनायें : पनेसर

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि सीमित ओवरों के लिए विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा को कप्तान बनाया जाना चाहये। पनेसर का मानना है कि इससे विराट पर कप्तानी का बोझ कम हो जाएगा। पनेसर के अनुसार रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है और टी-20 विश्वकप से पहले रोहित को कप्तानी दे देनी चाहिए। 'पनेसर ने कहा, 'मुझे लगता है कि टी-20 कप्तानी शायद रोहित शर्मा को दे देनी चाहिए। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं विराट यहां दबाव में दिख रहे हैं और अगर टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है और टी-20 विश्व कप 2021 गंवा देती है तो आप जानते हैं कि क्या होगा।' रोहित का रिकॉर्ड बतौर टी-20 कप्तान शानदार रहा है और मुंबई इंडियंस को अपनी अगुवाई में पांच बार चैंपियन बना चुके हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने निदास ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया था। डब्ल्यूटीसी के फाइनल में मिली हार के बाद विराट कोहली ने टीम में बड़े बदलाव होने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था, 'हम एक साल तक इंतजार नहीं करेंगे। आप हमारी सीमित ओवरों की टीम देखें तो हमारे पास गहराई है और खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं। टेस्ट क्रिकेट में भी इसकी जरूरत है।'

मोदी ने ओलंपिक के लिए चुने गए खिलाड़ियों के संघर्ष की सराहना की, उनके समर्थन का आग्रह किया

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि उन सभी ने इसके लिए 'वर्षों तक परिश्रम' किया है और देश को अगले महीने तोक्यो खेलों के दौरान उन पर दबाव डाले बिना उनका समर्थन करना चाहिए। कोरोना महामारी के कारण पिछले साल स्थगित हुए ओलंपिक का आयोजन इस साल 23 जुलाई से 8 सितंबर तक जापान की राजधानी में होगा जिसके लिए 100 से अधिक भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी जगह पक्की की है।मोदी ने 'मन की बात' के जरिए देश के संबोधन में कहा कि तोक्यो जा रहे हर खिलाड़ी का अपना संघर्ष रहा है, बरसों की मेहनत रही है। वो सिर्फ अपने लिए ही नहीं जा रहें बल्कि देश के लिए जा रहे हैं। इन खिलाड़ियों को भारत का गौरव बढ़ाना है और लोगों का दिल भी जीतना है और इसलिए मेरे देशवासियों मैं आपको भी सलाह देना चाहता हूं, हमें जाने-अनजाने में भी हमारे इन खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बनाना है, बल्कि खुले मन से, इनका साथ देना है, हर खिलाड़ी का उत्साह बढ़ाना है।'' भारत का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2012 में लंदन खेलों में रहा था। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने दो रजत सहित छह पदक जीते थे। इसके बाद रियो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी सिर्फ दो पदक जीत सके। इस संबोधन में प्रधानमंत्री ने दिग्गज फर्राटा धावक मिल्खा सिंह को भी याद किया, जिनका इस महीने कोरोन वायरस की चपेट में आने से निधन हो गया। मोदी ने कहा कि साथियों जब बात तोक्यो ओलंपिक की हो रही हो, तो भला मिल्खा सिंह जी जैसे दिग्गज एथलीट को कौन भूल सकता है। कुछ दिन पहले ही कोरोना ने उन्हें हमसे छीन लिया। जब वे अस्पताल में थे, तो मुझे उनसे बात करने का अवसर मिला था। उनसे बात करते हुए मैंने उनसे आग्रह किया था। मैंने कहा था कि आपने तो 1964 में तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, इसलिए इस बार, जब हमारे खिलाड़ी, ओलंपिक के लिए तोक्यो जा रहे हैं, तो आपको हमारे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना है, उन्हें अपने संदेश से प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वो खेल को लेकर इतना समर्पित और भावुक थे कि बीमारी में भी उन्होंने तुरंत ही इसके लिए हामी भर दी लेकिन दुर्भाग्य से नियति को कुछ और मंजूर था। ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने तीरंदाज दीपिका कुमारी और प्रवीण जाधव, हॉकी खिलाड़ी नेहा गोयल, मुक्केबाज मनीष कौशिक, पैदल चाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी, भालाफेंक एथलीट शिवपाल सिंह, बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी एवं उनके साथी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और तलवारबाज सीए भवानी देवी के जिंदगी के संघर्षों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में तो अधिकांश खिलाड़ी छोटे-छोटे शहरों, कस्बों, गांवों से निकल कर आते हैं। तोक्यो जा रहे हमारे ओलंपिक दल में भी कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिनका जीवन बहुत प्रेरित करता है।

लुईस की अक्रामक पारी के बदौलत वेस्टइंडीज ने द.अफ्रीका को 8 विकेट से हराया

सेंट जार्ज ।

एविन लुईस के तूफानी अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 8 विकेट की आसान जीत दर्ज की। टॉस जीतने के बाद वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया जिसके बाद मेहमान टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में लुईस की 35 गेंद में 71 रन की पारी की बदौलत 15 ओवर में ही दो विकेट पर 161 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। लुईस ने आंद्रे फ्लेचर (30) के साथ पहले विकेट के लिए 85 और क्रिस गेल (नाबाद 32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज की आसान जीत की नींव रखी। आंद्रे रसेल ने भी 12 गेंद में नाबाद 23 रन बनाए। लुईस ने अपनी पारी में 4 चौके और 7 छक्के लगाए। वेस्टइंडीज की पारी में कुछ 15 छक्के लगे। शनिवार को हुआ यह मुकाबला 2016 टी20 विश्व कप के बाद दोनों टीमों के बीच पहला टी20 मुकाबला था। वेस्टइंडीज ने 2016 टी20 विश्व कप जीता था। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही। फॉर्म में चल रहे क्विंटन डिकॉक (24 गेंद में 37 रन) और रेसी वान डेर डुसेन (38 गेंद में नाबाद 56) की पारियों की बदौलत टीम 11वें ओवर में दो विकेट पर 95 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। टीम ने हालांकि इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। वेस्टइंडीज की ओर से फाबियान एलेन ने 18 रन देकर दो जबकि ड्वेन ब्रावो ने 30 रन देकर दो विकेट चटकाए।

इंग्लैंड टीम के लिए भारतीय टीम को हराना कठिन : वॉन

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि मेजबान टीम के लिए भारत के साथ होने वाली सीरीज आसान नहीं रहेगी। वॉन के अनुसार बल्लेबाजी सहित कुछ और क्षेत्रों में मेजबानों को सुधार करना होगा और अगर वे ऐसा नहीं कर पाये तो भारतीय टीम को हराना संभव नहीं होगा। वॉन ने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में हार का मतलब यह नहीं है कि भारतीय टीम कमजोर है। इससे पहले इंग्लैंड को भी न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर मेजबान इंग्लैंड को काम करने की जरूरत है। वॉन के अनुसार इंग्लैड की कमजोर बल्लेबाजी के साथ साथ कुछ और मुद्दे हैं, जो उसे हल करने होंगे। वॉन ने कहा कि आप न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में लॉर्ड्स में कोई स्पिनर नहीं खेला, बिल्कुल ठीक इसी तरह एजबेस्टन में कोई स्पिनर नहीं खेला और मेजबानों की बल्लेबाजी भी कमजोर साबित हुई थी। इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने भी कहा था कि भारतीय टीम इस बार टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को 5-0 से हराएगी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी उतनी मजबूत नहीं है, जितनी पहले हुआ करती थी। वॉन ने कहा कि भले ही बेन स्टोक्स और बटलर की वापसी हुई है लेकिन जैसी भारतीय गेंदबाजी है उससे इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम में गहराई की कमी नजर आ रही है। इसके अलावा उनकी टीम को इस सीरीज में जोफ्रा आर्चर के बिना ही खेलना होगा। आर्चर कोहनी की सर्जरी के बाद अभी तक फिट नहीं हो पाये हैं।

भारतीय महिला रिकर्व टीम ने विश्व कप के तीसरे चरण में जीता स्वर्ण पदक

पेरिस।

दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और कोमोलिका बारी की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने विश्व कप के तीसरे चरण में मेक्सिको पर आसान जीत से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। टीम पिछले हफ्ते ओलंपिक क्वालीफाई करने से चूक गई थी और इस स्वर्ण पदक से उसने इस निराशा को कम करने की कोशिश की। दुनिया की तीसरे नंबर की तीरंदाज दीपिका, अंकिता और कोमोलिका की तिकड़ी ने विश्व कप के पहले चरण के फाइनल में भी मेक्सिको को हराकर पहला स्थान हासिल किया था। उसने इस तीसरे चरण में भी मेक्सिको को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता और इस दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। इस साल यह विश्व कप में उनका लगातार दूसरा और कुल मिलाकर छठा (शंघाई 2011, मेडेलिन 2013, रोक्लॉ 2013, रोक्लॉ 2014, ग्वाटेमाला सिटी 2021) स्वर्ण पदक है। हर बार टीम में दीपिका शामिल थी। भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा जिसमें पहले सेट में स्कोर 57-57 था। लेकिन दूसरे सेट में भारतीय टीम ने

मेक्सिको की टीम पर दबाव बनाया जिसमें लंदन 2012 की रजत पदक विजेता ऐडा रोमन, एलेजांद्रा वालेंसिया और अन्ना वाज्केज शामिल थीं। दूसरे सेट में मेक्सिको की टीम 52 अंक जुटाकर तीन अंक से पिछड़ गई। भारतीय टीम 3-1 से आगे थी और उसने तीसरे सेट में भी अच्छे निशाने लगाते हुए 55 अंक जुटाये लेकिन मेक्सिको की टीम बराबरी नहीं कर सकी और एक अंक से तीसरा सेट गंवा बैठी। इस तरह उसे इस साल लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले शनिवार को अभिषेक वर्मा ने कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था।

संक्षिप्त समाचार

टेनिस : केरबर ने जीता होम्बर्ग ओपन खिताब

फ्रैंकफर्ट। दुनिया की पूर्व नंबर-1 जर्मनी की एंजेलिक केरबर ने बैड होम्बर्ग ओपन खिताब के पहले संस्करण का खिताब जीत लिया है। फाइनल में केरबर ने दुनिया की 76वें नंबर की कतेरीना सिनियाकोवा को 6-3, 6-2 से हराया। इसके साथ केरबर ने अपना 13वां डब्ल्यूटीए करियर एकल खिताब जीता। 2018 विंबलडन में अपने तीन ग्रैंड स्लैम खिताबों में से तीसरा जीतने के के बाद से यह दुनिया की 26 वें नंबर की खिलाड़ी का पहला खिताब मिला है। दो साल में अपने पहले फाइनल में, केर्बर कमांडिंग फॉर्म में थी क्योंकि उसने 1 घंटे 25 मिनट में गैर-वरीय चेक पर जीत हासिल की। 2015 और 2016 में स्टटगार्ट में बैक-टू-बैक खिताब के बाद, यह तीसरी बार घरेलू धरती पर ट्रॉफी ले रहा है। उसे फाइनल में पहुंचने के लिए शुक्रवार को दो वापसी जीत के माध्यम से लड़ना पड़ा, जिसमें सेमीफाइनल में तीसरे सेट के टाईब्रेक के माध्यम से चेक गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त पेट्रा क्वितोवा पर जीत शामिल थी। अब केरबर विंबलडन में खेलेंगी, जहां उनके पास 31-11 करियर जीत-हार का रिकॉर्ड है, जिसमें 2018 का खिताब, 2016 का फाइनल और 2012 में सेमीफाइनल शामिल है।

इटली ने सबसे लंबे समय तक अपने खिलाफ गोल नहीं होने का रिकॉर्ड बनाया और फिर गोल खाया

लंदन । इटली ने 19 घंटे तक शानदार रक्षात्मक खेल की बदौलत अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे लंबे समय तक अपने खिलाफ गोल नहीं होने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा लेकिन इसके सिर्फ 25 मिनट बाद उसके खिलाफ गोल हो गया। इटली के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुमा रिकॉर्ड 1168 मिनट के दौरान अधिकांश समय मैदान पर रहे जिसमें यूरो 2020 के ग्रुप चरण के तीन मुकाबले भी शामिल हैं जिनमें उनके खिलाफ कोई गोल नहीं हुआ। शनिवार को प्री क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रिया ने वेम्बले स्टेडियम में इटली के खिलाफ 1-2 की हार के दौरान अंततः टीम के खिलाफ गोल किया। अतिरिक्त समय तक खिंचे मुकाबले में आस्ट्रिया ने प्रभावित किया। टीम की ओर से सासा क्लादजिक ने 114वें मिनट में गोल दागा। सबसे अधिक समय तक गोल नहीं होने देने का पिछला रिकॉर्ड भी इटली ने 1972 और 1974 के बीच बनाया था। तब डिनो जोफ टीम के गोलकीपर थे। यह रिकॉर्ड 1,143 मिनट का था और इस दौरान हर समय जोफ मैदान पर थे। मौजूदा रिकॉर्ड के दौरान डोनारुमा 987 मिनट जबकि सल्वाटोर सिरिगु 91, एलेसियो क्रेगनो 63 और एलेक्स मेरेट 27 मिनट मैदान पर रहे।

शेफाली सभी फॉर्मेट में डेब्यू करने वाली बनीं सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर

ब्रिस्टल ।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में उतरते ही सभी प्रारूपों में डेब्यू करने वाली सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बनीं। डेब्यू कर रही शेफाली ने कैथरीन ब्रंट की गेंद पर पवेलियन लौटने से पहले 14 गेंद में 15 रन बनाए। हरियाणा की शेफाली ने 17 साल 150 दिन की उम्र में सभी प्रारूपों में डेब्यू किया। वह डेब्यू करने वाले सबसे युवा क्रिकेटरों की सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं जिसमें अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान शीर्ष पर हैं। मुजीब ने 17 साल और 78 दिन की उम्र में खेल के सभी प्रारूपों में डेब्यू कर लिया था। इसके बाद इंग्लैंड की साराह टेलर (17 साल और 86 दिन), आस्ट्रेलिया की एलिस पैरी (17 साल और 104 दिन) और पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर (17 साल और 108 दिन) का नंबर आता है। शेफाली ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में डेब्यू करते हुए पिछले हफ्ते 96 और 63 रन की पारियां खेली थी। वह महिला टेस्ट में डेब्यू करते हुए दो अर्धशतक जड़ने वाली सबसे युवा बल्लेबाज बनीं थी। सितंबर 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद शेफाली ने अब तक 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में तीन अर्धशतक की मदद से 617 रन बनाए हैं।

श्रीलंका में सभी युवाओं को मौका देने की बात सोचना वास्तविक नहीं होगा : द्रविड़

मुंबई,

श्रीलंका दौरे के लिये भारतीय टीम के मुख्य कोच नियुक्त किये गये राहुल द्रविड़ ने रविवार को कहा कि ऐसा संभव नहीं है कि सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये चुने गये सभी युवा खिलाड़ियों को मैच में खेलने का मौका मिल जायेगा। युवा खिलाड़ी इस साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिये अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करना चाहते हैं और द्रविड़ इस श्रृंखला में कोच की भूमिका में वापसी कर रहे हैं जिनका मानना है कि यह उम्मीद करना कि सभी को इस छोटे से दौरे में मौका मिल जाये, संभव नहीं है। शिखर धवन की कप्तानी में कम अनुभवी टीम श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें छह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख द्रविड़ ने टीम की रवानगी से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि इस संक्षिप्त दौरे पर हमसे यह उम्मीद करना शायद अवास्तविक होगा कि हर किसी को मौका दिया जाये जिसमें तीन टी20 मैच और तीन वनडे हैं। और चयनकर्ता भी वहां होंगे। '' इस साल के विश्व कप के लिये टी20 टीम में जगह बनाने के लिये इन खिलाड़ियों में ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन की तिकड़ी शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला 13 जुलाई से वनडे के साथ शुरू होगी जिसके बाद 21 जुलाई से टी20 मैच खेले जायेंगे। विश्व कप को पहले भारत में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते इसका आयोजन अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात में होगा। श्रीलंका में एक दिवसीय मैचों की तुलना में तीन टी20 ज्यादा अहमियत रखेंगे क्योंकि विश्व कप से पहले यह भारत के अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''इस टीम में काफी खिलाड़ी हैं जो आगामी विश्व के लिये टीम में अपना स्थान पक्का करना चाहते हैं और कुछ जगह बनाना चाहते हैं लेकिन मुझे लगता है कि टीम में हर किसी का मुख्य लक्ष्य श्रृंखला जीतने की कोशिश करना है। '' उन्होंने कहा, ''मुख्य उद्देश्य श्रृंखला जीतना है और उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिये मौका मिलेगा। विश्व कप से पहले सिर्फ तीन टी20 मैच ही हैं। '' उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि चयनकर्ताओं और प्रबंधन को अब तक अंदाजा हो गया होगा कि वे किस तरह की टीम चाहते हैं। ''

आई-लीग दिसंबर के मध्य में कोलकाता में शुरू होगी: एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) इस सीजन में हीरो आई-लीग का आयोजन कोलकाता में करने की योजना बना रहा है। आई-लीग के सीईओ सुनंदो धर ने शनिवार को वर्चुअली आयोजित एआईएफएफ लीग समिति की बैठक के दौरान कहा कि इस सीजन में आई-लीग 13-टीम का होगा, जिसमें पिछले संस्करण के 80 से 114 तक के मैचों की संख्या होगी। पैनल ने यह भी फैसला किया कि मौजूदा स्थिति की परवाह किए बिना आई-लीग 2021/22 पर निर्वासन नियम लागू किया जाएगा। इसके अलावा भारतीय महिला लीग के 2020/21 संस्करण पर निर्णय, जिसे महामारी की दूसरी लहर के कारण स्थगित कर दिया गया था, लीग के अंतिम दौर के मेजबान ओडिशा स्पोर्ट्स के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के बाद लिया जाएगा।

श्रीलंका सीरीज हम सभी के लिए अपना कौशल दिखाने का शानदार मौका : धवन

मुंबई ।

श्रीलंका के सीमित ओवरों के दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान चुने गए शिखर धवन ने आगामी श्रृंखला को चुनौतीपूर्ण करार देते हुए रविवार को यहां कहा कि इससे दूसरी श्रेणी के खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने और मुख्य टीम में जगह बनाने का मौका मिलेगा। धवन ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की उपस्थिति में टीम की रवानगी से पहले वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह बहुत अच्छी टीम है। हमारी टीम में सकारात्मकता है, विश्वास है और हर किसी को अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं।' उन्होंने कहा, 'यह नई चुनौती है लेकिन इसके साथ ही यह हम सभी के लिये अपना कौशल दिखाने का शानदार मौका है। हर कोई इसका इंतजार कर रहा है।' धवन ने कहा, 'हमारे पृथकवास के 13-14 दिन गुजर चुके हैं और खिलाड़ी मैदान पर उतरने के लिए बेताब हैं। हमारे पास तैयारी के लिये 10-12 दिन हैं।' नियमित कप्तान विराट कोहली और मुख्य टीम के इंग्लैंड दौरे पर होने के कारण धवन श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। भुवनेश्वर कुमार टीम के उप कप्तान हैं। भारत को श्रीलंका से तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों और इतने ही टी20 मैचों में खेलना है। दौरे की शुरुआत 13 जुलाई को और समापन 25 जुलाई होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने दौरे के लिए 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसमें हार्दिक पंड्या तथा स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल भी शामिल हैं। युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और पृथ्वी सॉव पर भी सभी की निगाह टिकी रहेगी। टीम में इशान किशन और संजू सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर भी है। धवन ने टीम संयोजन के बारे में कहा, 'खिलाड़ी तैयार हैं और वे इन मैचों में खेलने के लिए बेताब है। इन खिलाड़ियों ने आईपीएल और अन्य टूर्नामेंटों में पहले ही खुद को साबित किया है।' पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, 'टीम युवा और अनुभव का अच्छा मिश्रण है।'

आकाश चोपड़ा ने पुजारा, बुमराह और जडेजा को दिये सबसे कम अंक

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा के लचर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। आकाश ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को 10 में से छह अंक दिए। चोपड़ा ने कहा कि रोहित ने दोनों पारियों में नई गेंद का अच्छे से सामना किया, जबकि विदेशी पिचों पर यह सबसे मुश्किल काम था। रोहित ने जो किया है उसे कम नहीं आंका जा सकता। वहीं शुभमन गिल ने पहली पारी में रोहित शर्मा की सहायत की पर दूसरी पारी में वह जल्दी पेवेलियन लौट गए। चोपड़ा ने शुभमन को 10 में से चार अंक दिए हैं। चोपड़ा ने कहा कि पुजारा स्लिप में एक कैच छोड़ा, हालांकि इससे मैच पर ज्यादा फर्क नहीं आता। साथ ही कहा कि भारतीय टीम को दोनों पारियों में पुजारा से बड़े स्कोर की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया। उन्होंने पुजारा को 10 में केवल 2 अंक ही दिये। कप्तान विराट कोहली को 10 में से 5 अंक मिले। चोपड़ा ने कहा कि उनकी पहली पारी अच्छी थी पर दूसरी पारी में उनसे अधिक की उम्मीद की जा रही थी। कोहली को कीवी कप्तान तुलना केन विलियमसन की तरह दोनो ही पारियों में रन बनाने थे। चोपड़ा ने अजिंक्य रहाणे को भी केवल 5 अंक ही दिये। उन्होंने कहा कि रहाणे ने पहली पारी में 49 रन बनाए। वह खराब शॉट खेलकर आउट हुए। आप कह सकते हैं कि वह दूसरी पारी में बदकिस्मत थे पर वे कभी भी बल्लेबाजी में सहज नजर नहीं आये। रवींद्र जडेजा को 10 में से तीन अंक मिले। चोपड़ा ने कहा कि आप सातवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और दोनों पारियों में जडेजा की बल्लेबाजी से ज्यादा उम्मीदें थीं। आपने गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया, दूसरी पारी में भी विकेटों की उम्मीद ज्यादा थी जो पूरी नहीं हुई। वहीं आर अश्विन को चोपड़ा ने छह अंक दिया।

विख्यात उद्योगपति महेश सवाणी आम आदमी पार्टी में शामिल, मनीष सिसोदिया ने किया स्वागत

सूरत।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में रविवार को सूरत के विख्यात उद्योगपति मनीष सवाणी आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। सिसोदिया ने सवाणी ने आप का पटका पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया। आप पार्टी में शामिल होने के बाद महेश सवाणी ने पत्रकार परिषद में कहा कि उन्होंने 51 वर्ष की आयु में राजनीति में प्रवेश किया है। गुजरात काम करने राजनीति में आया होने का उल्लेख करते हुए महेश सवाणी ने कहा कि कई लोगों ने उनसे कहा कि मुझे परेशान किया जाएगा। इसके बावजूद मैंने आप में शामिल होने का फैसला किया है। भले ही मुझे जेल जाना पड़े या गोली मार दी जाए। इसलिए मैंने नई जमीन पसंद की है। सवाणी ने कहा कि मुझे गरीब और मध्यम वर्ग की पीड़ा का अहसास है और समाज का काम करने के लिए राजनीति में आया हूं। कोविड सेंटरों को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। कोरोनाकाल में लोगों को झगड़ा का काफी आर्थिक नुकसन हुआ है। सवाणी ने कहा कि दिल्ली की सरकारी स्कूलें प्राइवेट स्कूलों से बेहतर हो चुकी हैं। कोरोनाकाल में लोगों का बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है, लोग दर दर की ठोकरें खा रहे थे। पाटीदार समाज की बात करते हुए महेश सवाणी की आंखे छलक आईं। आम आदमी पार्टी में महेश सवाणी का स्वागत करते हुए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा यह चुनाव के वक्त तय किया जाएगा। सूरत में आप के नगर पार्षद बेहतर काम कर रहे हैं। सिसोदिया ने दावा किया कि आनेवाले समय में कई लोग भाजपा छोड़कर आप में शामिल होंगे। भाजपा को झगड़ा पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि वह सभी से लड़ाई करती रहती है। भाजपा शिक्षा के नाम पर लूट चलाना चाहती है। बता दें कि महेश सवाणी पाटीदार समाज से आते हैं और सूरत में विख्यात उद्योगपति है। भावनगर जिले के रापरडा गांव के मूल निवासी महेश सवाणी पीपी सवाणी ग्रुप के संचालक हैं। हीरा, शिक्षा और निर्माण व्यवसाय से जुड़े महेश सवाणी सामाजिक सेवा में भी अग्रसर हैं। वर्ष 2008 से महेश सवाणी पिता विहीन बेटियों की शादी करवाते हैं। ऊरी में शहीद हुए जवानों के बच्चों की भी उन्होंने मदद की है। महेश सवाणी के शामिल होने से आप को गुजरात में जमीन मिलने के साथ ही वित्तीय मदद और पटीदर समाज का साथ भी मिलेगा। सूरत समेत दक्षिण गुजरात में महेश सवाणी का वर्चस्व है। जिससे आम आदमी पार्टी को फायदा होने की संभावना है।

वलसाड जिले में धर्मांतरण की प्रवृत्तियां बढ़ रहे होने का आरोप

वलसाड ।

राज्य के दूरदराज में स्थित वलसाड जिले में पिछले कई दिनों से धर्मांतरण की प्रवृत्तियां बढ़ रहे होने का आरोप लगाये जा रहे है । वलसाड जिला सहकार भारती द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को यह मामले में लिखित पेशकश की है ।वलसाड जिले के धरमपुर और कपराडा दूरदराज आदिवासी क्षेत्र है । जहां पिछले २० वर्ष से वटाल प्रवृत्ति में तेजी आने पर आज इस क्षेत्र के करीब सभी गांवों में ईसाई मिशनरी द्वारा चर्च बांध दिया गया है । जिसकी वजह से इस क्षेत्र में तनाव भी परिस्थिति पैदा हो रही है । हिन्दू संगठनों ने सरकार के समक्ष जिले में चल रही गैरकानूनी धर्मांतरण प्रवृत्ति पर रोक लगाकर यह मामले में निष्पक्ष जांच किया जाए ऐसी मांग की है । राज्य के दूरदराज में स्थित वलसाड जिले के धरमपुर और कपराडा तहसील दूरदराज आदिवासी क्षेत्र है । यह पहाड़ी क्षेत्र में ९५ फीसदी से ज्यादा आबादी गरीब और आदिवासी समाज की है । इस क्षेत्र में अभी विकास की मुख्यधारा से वंचित है । इसी वजह से शिक्षा और विकास की अन्य मूलभूत सुविधा का अभाव देखने को मिल रहा है । सिर्फ इसी परिस्थिति का लाभ लेकर पिछले कई वर्षों से यह दूरदराज और आदिवासी क्षेत्र ऐसे धरमपुर और कपराडा तहसील में ईसाई मिशनरी ने अपना अड्डा जमाया है । इसी वजह से पिछले २० वर्ष से यह आदिवासी क्षेत्र में धर्म परिवर्तन की प्रवृत्ति बढ़ रही है । पूरे जोश में धर्मांतरण प्रवृत्ति ने हद करने पर अब इस क्षेत्र के तनावपूर्ण माहौल पैदा हो रहा है । इसी वजह से बढ़ रही धर्मांतरण प्रवृत्ति रोक लगाने के लिए वलसाड जिला सहकार भारती के प्रमुख विजय गोयल द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी लिखित पेशकश की है ।

मनीष सिसोदिया की पत्रकार परिषद में आप की नगर पार्षद के पति ने किया आत्महत्या का प्रयास

सूरत।

रविवार को सूरत आए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्रकार परिषद में उस वक्त हंगामा हो गया, जब आम आदमी पार्टी (आप) की नगर पार्षद रुता दुधागरा के पति चिराग दुधागरा ने मिट्टी के तेल छिड़कर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत चिराग को पकड़ लिया। इस बारे में पुलिस ने फिलहाल कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है। बता दें कि कुछ दिन पहले रुता दुधागरा ने आरोप लगाया था कि उसके पति चिराग ने भाजपा नेता से 25 लाख रुपए लिए हैं। जिसे लेकर दोनों के बीच झगडा हुआ और दोनों अलग हो गए। हांलाकि चिराग ने पत्नी रुता के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसका दांपत्यजीवन तोड़ने में आप के शहर के प्रमुख की बड़ी भूमिका है। चिराग ने कहा कि मेरा और रुता का डिवोर्स नहीं हुआ है। इसी मामले को लेकर चिराग दुगाधरा ने आज मनीष सिसोदिया की पत्रकार परिषद के बीच जीवन भारती कंपाउंट में अपने शरीर पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगाने का प्रयास किया। हांलाकि मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत उसे पकड़ लिया। चिराग दुधागर की पत्नी रुता दुधागरा सूरत वार्ड नंबर 3 से आम आदमी पार्टी की पार्षद है। रुता दुधागरा ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि भाजपा में शामिल होने के लिए 3 करोड़ रुपए की ऑफर की गई है। लेकिन उन्होंने भाजपा विधायक की यह ऑफर ठुकरा दी थी। जिसके बाद उनके पति पर लालच देकर भाजपा में शामिल होने का दबाव डाला जा रहा था। जिसकी वजह से पति-पत्नी के बीच झगड़े होने लगे और आखिरकार दोनों का डिवोर्स हो गया।

भरण पोषण की रकम नहीं देने पर पति को नौ महीने की सजा

सूरत ।

शहर में एक पत्नी की चालाकी पति को भारी पड़ी है । पत्नी ने दो वर्ष पहले पति पर भरण पोषण का केस किया था । जिसमें पति ने कोर्ट को कहा कि, मैं कमाता नहीं हूं । हालांकि, इस बात को पत्नी ने गलत साबित किया था और इसके सबूत के तौर पर पत्नी ने वैभवी जीवन के फोटो बताये थे । जिसकी वजह से कोर्ट ने पति को नौ महीने की सजा सुनाई गई है ।

सूरत में पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था । २०१८ में पति ने निकाल देने पर अर्जीकर्ता पत्नी ने वकील अश्विन जोगडिया हस्तक कोर्ट केस किया था । पत्नी ने पति पर भरण पोषण का केस किया था ।

अर्जीकर्ता पत्नी ने पति की आय बताकर कोर्ट से हर महीने भरण पोषण के तहत चढ़ गई रकम के ८० हजार रुपया मांगा था । इसके अलावा पति ने शारीरिक-मानसिक अत्याचार किया हो और घरेलू हिंसा किया हो २० लाख रुपया चुकाने के लिए अर्जी की थी । जिसकी वजह से कोर्ट ने पति को समन्स भेजा । हालांकि ४ समन्स मिलने पर भी पति कोर्ट में पेश नहीं हुआ था और वकील के द्वारा खुद कमाता नहीं होने का जबाव दिया था ।

हालांकि, पत्नी ने पति के सोशल मीडिया में रखा गया फोटो कोर्ट के समक्ष पेश किया था । जिसमें उन रोड पर की होटल के उद्घाटन का फोटो, इसी रोड पर की दूसरी होटल का फोटो, सिटी में स्थित अन्य एक होटल की जानकारी, पति के पास रही कार और स्मार्ट फोन सहित के फोटो सबूत के तौर पर बताया था । जिसकी वजह से पति हाईफाई लाइफ जी रहे होने का साबित होता था । इसके अलावा पत्नी ने पति की तीन होटल होने का बताकर महीने दो लाख रुपये कमाते होने की दलील कोर्ट के समक्ष पेश की थी । पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार करके कोर्ट के समक्ष पेश किया था जिसमें दलीलों के बाद पति को नौ महीने की सजा का आदेश दिया गया था । इसके अलावा पत्नी और दो बच्चों के लिए १४,५०० रुपया भरण पोषण के तहत चुकाने का आदेश दिया गया था ।

सूरत में विरोध पक्ष के सभी पार्षदों के विरूद्ध केस दर्ज हुआ

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के आठ सदस्यों के लिए नौ नामांकन फॉर्म आने पर चुनाव कराया गया था

सूरत ।

गुजरात के इतिहास में सूरत में विरोध पक्ष के सभी पार्षदों के विरूद्ध एक साथ पुलिस केस दर्ज किया गया है । महानगरपालिका में शुक्रवार को नगर प्राथमिक शिक्षा समिति का चुनाव था जिसमें धक्कामुक्की करके तोड़फोड़ करने वाले आम आदमी पार्टी के सभी २७ कॉर्पोरेटर और चुनाव लड़ने वाले दोनों उम्मीदवारों को मिलाकर कुल २९ लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में आधिकारिक अपराध दर्ज किया गया । इस केस में शनिवार को पालिका के सिक्योरिटी ऑफिसर ने २७ कॉर्पोरेटरों और चुनाव लड़ने वाले दो उम्मीदवारों मिलाकर कुल २९ के खिलाफ रायोटिंग, सरकारी ड्यूटी में रुकावट, मारपीट सहित की १४ धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस शिकायत में उन्होंने स्पष्ट बताया है कि, आप के कॉर्पोरेटरों का यह आयोजनबद्ध साजिश थी । हालांकि, इस घटना की वजह से फिलहाल सूरत की राज नीति गर्मा गई है । इसमें भी रविवार को आप के नेता मनीष सिसोदिया सूरत के दौरे पर आये है । सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के आठ सदस्यों के लिए नौ नामांकन फॉर्म आने पर चुनाव कराया गया था । चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार राकेश भीकडीया को ९८ मत जबकि आपके उम्मीदवार को ९५ मत मिलने पर आपके उम्मीदवार की हार हुई थी । चुनाव अधिकारी के तहत मेयर की अध्यक्षता में काउंटिंग हुई इस दौरान उम्मीदवारों, पालिका के शासक पक्ष और विपक्ष के पदाधिकारी मौजूद रहे । चुनाव में प्रत्येक कॉर्पोरेटरों को ८ मत देना था । लेकिन एक बेलेट पेपर पर ८ के बदले १६ मत देने पर यह मतदान फॉर्म रद्द किया गया । जिसकी वजह से पूरी बाजी पलट गई थी और विपक्ष के एक सदस्य की हार हुई थी । जिसकी वजह से फिर से काउंटिंग करने और बेलेट पेपर बताने के लिए विपक्ष ने मांग की थी । इस मांग को चुनाव अधिकारी ऐसे मेयर ने खारिज कर दिया । जिसकी वजह से नाराज हुए उम्मीदवार और विपक्ष ने हंगामा करके सरदार खंड में कुर्सी, माइक और टेबल की तोड़फोड़ और भाजपा के विरूद्ध में नारेजाबी की गई थी ।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलम्बी बनाने के आने वाली योजनाओं से आएगा व्यारा आदिवासी अंचल में सकारात्मक बदलाव

व्यारा।

देश की प्रमुख ज़िंक उत्पादक भारतीय कंपनी, सामाजिक जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और सतत विकास की मूल धारणा को अमल में लाने को प्राथमिकता देती है। संयंत्र के दोसवाडा में स्थापित होने से आदिवासी अंचल में आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वावलंबी बनाने हेतु योजनाओ के संचालन से सकारात्मक बदलाव आएगा।

हिन्दुस्तान जिंक अपने संचालन के आस पास के 189 गांवों जिनमें से राजस्थान के 184 और उत्तराखंड के 5 गावों में सामुदायिक विकास की विभिन्न परियोजनाएं सरकार, स्थानीय समुदायों और स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिल कर क्रियान्वित कर रहा है जिससे वहां के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले तीन वर्षों में, ही हिन्दुस्तान जिंक ने सामाजिक विकास हेतु विभिन्न विकास कार्यक्रमों के जरिये 354 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिससे 5 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

कंपनी के दोसवाड़ा जिंक संयंत्र की मुख्य प्राथमिकताएं स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत आजीविका, महिला सशक्तिकरण, एवं जल आदि हैं। वर्तमान में लागू परियोजनाओं में मोबाइल स्वास्थ्य इकाई शामिल हैं, जिसका लक्ष्य जरूरतमंदों तक प्राथमिक और उत्तम स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं पहुंचाना और ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध संसाधनों जैसे एएसएचएएस और एएनएम के साथ मिलकर कार्य करना है। इस परियोजना में 12 पंचायतों के 16 से ज्यादा गांव शामिल हैं और लगभग 50 ओपीडी सत्र मासिक रूप से आयोजित किए जा रहे है, जो लगभग 2000 रोगियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं। वर्षा जल की कमी और अपर्याप्त भूजल पुनर्भरण के कारण, देश के कई क्षेत्रों में पेयजल और कृषि योग्य जल की समस्या है। इस समस्या के समाधान करने हेतु दोसवाड़ा जिंक संयंत्र ने 16 गांवों में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन अध्ययन शुरू किया है। हिन्दुस्तान जिंक कोविड-19 महामारी से राहत एवं बचाव और सार्वजनिक आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए, हिन्दुस्तान जिंक के दोसवाड़ा जिंक प्लांट ने सामान्य चिकित्सालय, तापी, गुजरात को 50 से अधिक जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण प्रदान किए हैं।

बिल्डर का अपहरण करने वाले ५ शख्सों को गिरफ्तार किया गया

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद शहर के चांदखेडा क्षेत्र में एक बिल्डर का अपहरण करके फिरौती मांगने के केस में क्राइम ब्रांच ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है । बिल्डर का अपहरण करके १ करोड़ की फिरौती मांगी थी । अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने नरेन्द्र सिंह राठोड, वाघाभाई भरवाड, रघुभाई भरवाड, अब्दुल टी बलिया, युनूस वारैया नाम के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है ।

आरोपियों ने मिलकर चांदखेडा में रहते बिल्डर प्रकाश प्रजापति का अपहरण करके लींबडी तहसील के रलोल गांव में बंधक बनाकर रखा था । सुबह में शिकार होने वाले प्रकाश प्रजापति कुत्ते को बिस्कुट खिलाने के लिए निकले थे उस समय में आरोपियों ने सीलेरियो कार लेकर आया था और शिकार बनने वाला का अपहरण करके फरार हो गया। शिकार बनने वाले के अपहरण के बाद इसकी पत्नी पर फोन आया था और फोन पर कहा था हालांकि प्रकाशभाई को छुड़ाना हो तो एक करोड़ रुपया भेजने की बात करते शिकार होने वाले की पत्नी ने चांदखेडा पुलिस का संपर्क किया था ।

हालांकि इस घटना की जानकारी क्राइम ब्रांच को मिलने पर पुलिस ने शिकार बनने वाले के घर पर जांच करने पर अपहरण के सीसीटीवी मिला । पुलिस ने सीसीटीवी तथा मोबाइल नंबर के आधार पर जांच करने पर आरोपियों ने शिकार होने वाले को सुरेन्द्रनगर जिले के लींबडी तहसील में स्थित रालोल के एक घर में बंधक बनाये रखने का सामने आने पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार करके शिकार बनने वाले को सुरक्षित छुड़ाया गया ।

आरोपियों की पूछताछ में मुख्य आरोपी नरेन्द्रसिंह राठोड को शिकार होने वाले पास से पांच करोड़ बाकी के लेने की वजह से अपहरण के लिए पूरा प्लान बनाये जाने का क्राइम ब्रांच के पीआई डीबी बारड ने बताया है ।

हालांकि इस पूरे मामले में कुल ८ आरोपी शामिल होने का सामने आया है । फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपी को गिरफ्तार करके फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू कर दी है ।

वेलपर में किसान पर तेंदुए ने हमला करने से हाहाकार

वलसाड ।

वलसाड जिले के पारडी तहसील के वेलपरवा गांव में एक घर के कोठार में बांधे गये पशुओं का शिकार करने के लिए घुसे तेंदुए का सामना करने पर किसान पर तेंदुए ने जानलेवा हमला करने की घटना हुई है। तेंदुए के हमले में घायल किसान सतीस भाई पटेल को उपचार के लिए पारडी की एक निजी अस्पताल में भेजा गया है । एक खूंखार तेंदुए ने घर में घुसकर किसान पर हमला करने की घटना की वजह से वन विभाग भी सक्रिय हो गया है । तेंदुए को गिरफ्तार करने के लिए पिंजरा और पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाकर और शख्स का ब्लड चख गये तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रयास शुरू किया गया है । इस मामले में बात करे तो वलसाड जिले के पारडी तहसील के वेलपरवा गांव के भेसू फलिया में रहते किसान सतीश भाई पटेल के घर में देर रात को एक खूंखार तेंदुआ घुसा था ।

जहां पशु बांधा था यह कोठार में पहुंच गया । इसी वजह से आधी रात को पशुओं का आवाज आने पर किसान सतीश भाई जाग गये और कोठार में तेंदुआ एक वाछरडी पर हमला करने जा रहा है उस समय में सतीशभाई कोठार में पहुंच गये और वाछरडी और अपने पशुओं को बचाने के लिए खूंखार तेंदुए का सामना किया था । शिकार में रुकावट पहुंचने पर तेंदुए ने सतीश भाई पर अचानक जानलेवा हमला किया था। कुछ समय तक दोनों के बीच संघर्ष हुआ था । तेंदुए का सामना करने पर सतीश भाई के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट लगी । हालांकि सौभाग्य से हमला करते समय कोठार में रखे बंद ट्रैक्टर में तेंदुए का पंजा फंस जाने पर कुछ ही देर में स्थल पर से फरार हो गया । घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के पड़ोसी स्थल पर पहुंच गये और गंभीर रूप से घायल सतीशभाई को पड़ोसी और परिजनों को तुरंत उपचार के लिए पारडी की मोहन दयाल में भर्ती किया गया था । अभी आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)